RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः80 , सोमवार, 04 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोतिहारी में अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा का भव्य स्वागत 03

सोनबरसा पंचायत में जनगणना 2027 की तैयारी तेज, घर-घर शुरू हुआ आवास सूचीकरण 04

फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेशः रूक्मिणी वसंत 07

संक्षिप्त समाचार

चलती फ्लाइट में यात्री ने खोल दिया इमरजेंसी गेट

- चेन्नई एयरपोर्ट पर हुआ गिरफ्तार,231 लोग थे सवार

चेन्नई (एजेंसी)। शारजाह से चेन्नई आ रही एयर अरबिया की एक फ्लाइट में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक 34 साल के यात्री ने विमान के लैंड होने के बाद टैक्सीवे पर चलते समय अचानक इमरजेंसी एग्जिट दरवाजा खोल दिया। इस घटना के बाद पायलट को तुरंत विमान रोकना पड़ा और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट जारी किया गया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एयर अरबिया का विमान 231 यात्रियों को

लेकर शारजाह से चेन्नई पहुंचा था। विमान सुरक्षित रूप से रनवे पर लैंड कर चुका था और रनवे से टर्मिनल को जोड़ने वाले रास्ते (टैक्सीवे) पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान पुदुक्कोट्टई के रहने वाले एक यात्री ने अचानक उठकर विमान का आपातकालीन निकास द्वार खोल दिया। विमान उस समय पूरी तरह रुका नहीं था, जिसके कारण बड़ा हादसा हो सकता था। यात्री की इस हरकत को देख केबिन क्रू और साथी यात्री सन्न रह गए। जैसे ही इमरजेंसी दरवाजा खुला, विमान के कॉकपिट में चेतावनी का अलार्म बज उठा। पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को तुरंत वहीं रोक दिया और हवाई अड्डा अधिकारियों को सूचित किया। पायलट ने इस घटना के संबंध में शिकायत भी दर्ज कराई है।

जम्मू और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू

- 50 मिनट में तय होगा 272 किमी का यह लंबा सफर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और श्रीनगर के बीच पहली सीधी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शनिवार को धूमधाम से शुरू हो गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दो दिन पहले इसका उद्घाटन किया था। अधिकारियों के अनुसार, 20 डिब्बों वाली यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी और इससे दोनों शहरों के बीच

यात्रा समय घटकर पांच घंटे से कम हो जाएगा। पहले यह ट्रेन श्रीनगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, लेकिन अब यह जम्मू तवी तक जाएगी। फूलों से सजी यह ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर सात से श्रीनगर के लिए रवाना हुई।

कटरा नहीं, जम्मू तवी तक जाएगी- यह सेमी-हाई स्पीड ट्रेन जम्मू तवी से श्रीनगर तक लगभग 272 किलोमीटर की दूरी चार घंटे 50 मिनट में तय करेगी जबकि सड़क मार्ग से यात्रा करने में 12 से 24 घंटे तक लगते हैं। इस मार्ग पर रोजाना दो ट्रेनें चलेंगी, जिससे पर्यटकों और तीर्थयात्रियों समेत यात्रियों को बेहतर विकल्प मिलेंगे।

45 हजार टन एलपीजी लेकर भारत आ रहा 'सर्वशक्ति'

- अमेरिकी नाकेबंदी के बीच पार कर गया खतरनाक होर्मुज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में एलपीजी गैस सिलेंडर की दिक्कत के बीच एक बड़ी राहत की खबर है। कम से कम 45 हजार टन एलपीजी लेकर भारत का एक सुपर टैंकर 'सर्वशक्ति' होर्मुज को पार कर गया है जो कि जल्द ही भारत पहुंच सकता है। आपको बता दें कि अमेरिका की नाकेबंदी और ईरान की सख्ती के बीच यह बड़ी सफलता है कि भारत से जुड़ा टैंकर इस रास्ते को पार करके आगे बढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक कड़ी सुरक्षा के साथ यह टैंकर भारत के पोर्ट पर पहुंचेगा। इसका चालक दल भी भारतीय ही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्गो शिप भारतीय कंपनियों को गैस उपलब्ध करवाने वाला है। हालांकि इस मामले में एजेंसी ने कोई जवाब नहीं दिया है। इससे पहले देश गरिमा नाम का टैंकर तेल लेकर मुंबई पोर्ट पर पहुंचा था। बता दें कि इस्लामाबाद में वार्ता फेल होने के बाद अमेरिका ने होर्मुज के आसपास नाकेबंदी कर दी थी। इसके बाद सैकड़ों जहाज होर्मुज के आसपास ही रुके हुए हैं।

अमेरिका ने सभी कंपनियों को चेताया- ईरान से तनाव के बीच अमेरिका ने जहाजरानी कंपनियों से कहा है कि वे अगर होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को किसी तरह का शुल्क देंगी तो उन्हे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ जाएगा। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अमेरिका और ईरान के मध्य जारी टकराव के बीच अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) द्वारा शुक्रवार को दी गई चेतावनी ने दबाव और बढ़ा दिया है। आम तौर पर शांति के समय दुनिया के तेल और प्राकृतिक गैस के व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

ईरान ने बना दिया टोलबूथ

ईरान ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा युद्ध शुरू किए जाने के बाद जहाजों पर हमले की धमकियां देकर और हमले करते हुए जलडमरूमध्य को सामान्य आवाजाही के लिए लगभग बंद कर दिया। बाद में, उसने कुछ जहाजों को अपनी तटरेखा के करीब वैकल्पिक मार्गों से मोड़कर सुरक्षित मार्ग प्रदान करना शुरू किया, और कई बार इस सेवा के लिए शुल्क भी वसूला। अमेरिका की प्रतिबंध चेतावनी का मुख्य केंद्र संबंधित टोलबूथ जैसी व्यवस्था है।

400 किमी दूर दुश्मन की पनडुब्बी होगी नेस्तनाबूद

बड़ी कामयाबी! पनडुब्बियों को मिलेगा 'सीक्रेट' सिस्टम

हफ्तों तक पानी में छिपकर करेंगी वार,नेवी होगी ताकतवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की ताकत में जल्द ही एक बड़ा इजाफा होने जा रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने पनडुब्बियों के लिए एक क्रांतिकारी एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम तैयार किया है। इस नए सिस्टम की मदद से भारतीय पनडुब्बियां पानी के अंदर पहले से कहीं ज्यादा समय तक रह सकेंगी। डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने आईआईटी बॉम्बे के दीक्षांत समारोह के दौरान यह अहम जानकारी साझा की। नए सिस्टम से डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। गुजरात के एलएंडटी हजीरा प्लांट में इसका फाइनल काम चल रहा है। डीआरडीओ की नेवल मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी ने इसे तैयार किया है।

कैसे काम करेगा यह नया सिस्टम, मिलेगी जानकारी

डीआरडीओ चीफ समीर वी कामत ने बताया कि इस प्रोपल्शन सिस्टम का लैंड-बेस्ड प्रोटोटाइप 2021 में टेस्ट किया गया था। अब इसका फुल वर्जन गुजरात के हजीरा स्थित एलएन्डटी प्लांट में तैयारी के अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया- जल्द ही इसे मुंबई के मझगांव डॉक को सौंप दिया जाएगा, जहां इसे 14वीं पनडुब्बी में इंस्टॉल (स्थापित) किया जाएगा। इस नए सिस्टम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की सबमर्ज्ड एंड्योरेंस यानी पानी के भीतर रहने की क्षमता को काफी बढ़ा देगा। आसान भाषा में समझें तो पनडुब्बियां अब बिना सतह पर आए लंबे समय तक पानी के भीतर छिपी रह सकेंगी।

डीआरडीओ कई अन्य घातक हथियारों पर भी तेजी से काम कर रहा

पनडुब्बियों की तकनीक के अलावा डीआरडीओ कई अन्य घातक हथियारों पर भी तेजी से काम कर रहा है। समीर वी कामत ने बताया कि डीआरडीओ एक ऐसा मिसाइल-माउंटेड टॉरपीडो (मिसाइल पर लगा टॉरपीडो) विकसित कर रहा है, जो 400 किलोमीटर दूर से ही दुश्मन की पनडुब्बी को तबाह कर सकता है। इसके साथ ही, डीआरडीओ में एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और लेजर-डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (लेजर हथियार) पर भी काम चल रहा है। इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम के बारे में बात करते हुए डीआरडीओ प्रमुख ने अग्नि और पृथ्वी मिसाइलों की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें दुश्मन के मन में खौफ पैदा करने (डिटरेंस) का काम करती हैं। कामत ने कहा- इन्हीं मिसाइलों की वजह से अब तक हमें किसी बड़े हमले का सामना नहीं करना पड़ा है।

राष्ट्रपति के पास जा रहे राघव समेत तीन सांसद

5 मई को होगी मुलाकात,निशाने पर पंजाब सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी से हाल ही में नाता तोड़ने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अब अपनी पुरानी पार्टी और पंजाब सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। सांसद चड्ढा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा था, जिसे राष्ट्रपति भवन द्वारा मंजूर कर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह अहम मुलाकात 5 मई को सुबह 10.40 बजे होगी। इस दौरान राघव चड्ढा के साथ तीन अन्य सांसद भी मौजूद रहेंगे, जिन्होंने हाल ही में एएपी का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि इस प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रपति को पंजाब की भगवंत मान सरकार की कथित बदले की राजनीति से अवगत कराना है। राघव चड्ढा और अन्य बागी सांसदों का आरोप है कि पंजाब सरकार अपनी शक्तियों और सरकारी मशीनरी का घोर दुरुपयोग कर रही है।

संदीप पाठक के खिलाफ मुकदमा

बता दें कि आम आदमी पार्टी छोड़कर हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब पुलिस ने प्राथमिकियां दर्ज की हैं। सूत्रों ने बताया कि पाठक के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। हालांकि, प्राथमिकी के बारे में अब तक कोई अन्य जानकारी सामने नहीं आई है।

आप छोड़ भाजपा में गए राघव चड्ढा

यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब पंजाब में राजनीतिक घमासान चरम पर है। 24 अप्रैल 2026 को राघव चड्ढा समेत सात एएपी राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़कर भाजपा में विलय का ऐलान किया था। इनमें छह पंजाब से चुने गए सांसद शामिल हैं। एएपी ने इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इन सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है, जबकि चड्ढा गुट ने पंजाब सरकार पर दमनकारी रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। एएपी छोड़ने वालों में राघव चड्ढा के अलावा, संदीप पाठक, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी तथा स्वाति मालीवाल शामिल हैं।

किसके सिर सजेगा ताज, किसकी होगी हार, फैसला आज

- पांच राज्यों में आएगा जनता का निर्णय,सुबह 8 बजे से गिनती

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे कल 4 मई को आएंगे, जिन पर सभी की नजरें टिकी हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान देखने को मिला, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच कड़ा

मुकाबला माना जा रहा है. वहीं असम में बीजेपी सत्ता बचाने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस गठबंधन चुनौती दे रहा है। तमिलनाडु में मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है, जबकि केरल में एलडीएफ और यूडीएफ आमने-सामने हैं। पुडुचेरी में भी मुकाबला दिलचस्प है। अंतिम तस्वीर कल 4 मई को ही साफ होगी। चुनाव आयोग ने मतगणना की तैयारियां पूरी कर ली हैं। नतीजे सुबह 8 बजे से आएंगे। असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। इसमें असम की 126 सीटों पर 9 अप्रैल को, केरलम की 140 सीटों और पुड्डुचेरी की 30 सीटों पर एक साथ मतदान हुआ। इसके बाद तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोट डाले गए। वहीं पश्चिम बंगाल में दो चरण में मतदान हुआ।

'निश्चय रथ' में निशांत कुमार ने शुरू की पहली यात्रा

पिता नीतिश कुमार का लिया आशीर्वाद,जेडीयू में अपार उत्साह

पटना (एजेंसी)। जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को बिहार में अपनी 'सद्भावना यात्रा' शुरू की। उनकी इस यात्रा के शुभारंभ पर जेडीयू के कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह देखने को मिला। पटना में जेडीयू के दफ्तर से जब निशांत कुमार यात्रा पर निकले तो वहां भारी भीड़ मौजूद थी। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन पर फूल बरसाए और नारे लगाए सद्भावना यात्रा के साथ निशांत कुमार का बिहार की जमीनी राजनीति में पदार्पण हो रहा है। यह वास्तव में जेडीयू के लिए एक महत्वाकांक्षी यात्रा है जिसके जरिए यह पार्टी एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। इस यात्रा की शुरुआत पारंपरिक वाद्य तुरही और शंख ध्वनि के साथ की गई। उनके यात्रा वाहन पर नीतिश कुमार की तस्वीर है और लिखा है- बहन-बेटियों के सपने साकार, धन्यवाद नीतिश कुमार। इस वाहन के पीछे इसका नाम 'निश्चय रथ' लिखा है। सद्भावना यात्रा शुरू करने से पहले निशांत कुमार ने कहा कि, यह मेरी पहली राजनीतिक यात्रा है। गांधीजी ने चंपारण से सत्याग्रह शुरू किया था। मैं भी उसी भूमि से अपनी यात्रा शुरू कर रहा हूं। मैंने अपनी यात्रा का नाम सद्भाव यात्रा रखा है।

राजनीतिक भविष्य की राह खोज रहे निशांत

बिहार सरकार में कोई भी पद लेने से इनकार कर चुके निशांत कुमार फिलहाल जेडीयू के सदस्य मात्र हैं। वे जमीन पर जाकर जन-जन से मिलकर एक जन नेता के रूप में अपना राजनीतिक भविष्य तय करना चाहते हैं। रविवार को वे अपनी सद्भाव यात्रा के तहत पटना से चंपारण के लिए रवाना हो गए। उन्होंने पटना से यात्रा पर रवाना होने के पहले पिता नीतिश कुमार से आशीर्वाद लिया। पटना में जेडीयू दफ्तर से निशांत कुमार के यात्रा पर निकलने से बड़ी संख्या पार्टी के कार्यकर्ता एकत्रित हो गए थे। वे निशांत कुमार जिंदाबाद सहित उनके समर्थन में कई नारे लगा रहे थे। नारेबाजी की यह सिलसिला काफी समय तक चलता रहा। इस दौरान वहां फूल मालाओं से सजा पीले रंग का वह वाहन खड़ा था जिससे वे यात्रा कर रहे हैं।

नीतिश ने बदली बिहार की तस्वीर, तकदीर निशांत को सौंपी

जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि, निशांत कुमार को पार्टी के सर्वमान्य नेता के रूप में मान्यता मिल चुकी है। नीतिश कुमार ने बिहार की तस्वीर बदली है। निशांत के हाथ में पार्टी का नेतृत्व भी सौंप दिया गया है और बिहार की तकदीर भी सौंप दी गई है। निशांत की यह यात्रा चरणबद्ध रूप से प्रदेश के प्रत्येक जिले में पहुंचेगी। निशांत कुमार इस यात्रा के दौरान पार्टी के सर्वोच्च नेता, पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद नीतिश कुमार के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों, सुशासन, और सामाजिक सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएंगे। निशांत बिहार के हर जिले में पंचायत स्तर तक के पार्टी के कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। जेडीयू के नेताओं का दावा है कि निशांत कुमार की इस यात्रा को लेकर पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ-साथ बिहार की आम जनता में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है।

सभी उम्मीदवार पहुंचे मंदिर और की पूजा-अर्चना

बंगाल में मतगणना से पहले बीजेपी का खास प्लान ऐक्टिव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने अपने सभी विधानसभा उम्मीदवारों के लिए खास घोषणा की थी। उसी के अनुसार सभी रविवार को सारे कैंडिडेट्स अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की। साथ ही, सभी विधानसभा क्षेत्रों में महिलाएं स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना प्रदर्शन करती नजर आईं। पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती कल 4 मई को होनी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में मतगणना के लिए केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तैनाती को लेकर निर्वाचन आयोग के सर्कुलर पर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ऐक्टिव हैं।

केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती पर हंगामा

भाजपा नेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सुप्रीम कोर्ट ने एक और कानूनी झटका देते हुए हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना पर्यवेक्षक की जिम्मेदारियों से राज्य सरकार के कर्मियों को बाहर रखे जाने को चुनौती देते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

संक्षिप्त समाचार

छात्रा को लगा करंट, छत पर गेंद लेने गई 13 साल की अंजलि, अस्पताल ले जाते वक्त तोड़ा दम

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर गांव में रविवार दोपहर करंट लगने से 13 वर्षीय अंजलि कुमारी की मौत हो गई। वह छत पर गिरी गेंद निकालने गई थी, तभी बिजली के तार की चपेट में आ गई। यह घटना दोपहर करीब 1 बजे हुई। अंजलि अपने घर के बाहर बच्चों के साथ खेल रही थी, तभी उनकी गेंद छत पर चली गई। गेंद लेने के लिए अंजलि छत पर गई और इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गई। अंजलि की चीख सुनकर उसकी मां रीना देवी तुरंत छत पर पहुंचीं। उन्होंने अंजलि को बचाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान उन्हें भी करंट का झटका लगा। हालांकि, रीना देवी को गंभीर चोट नहीं आई और वह सुरक्षित बच गईं। घटना के बाद अंजलि को तत्काल बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया, लेकिन सदर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही अंजलि ने दम तोड़ दिया। मृतका अंजलि कुमारी जीतू महतो की पुत्री थी। वह गोपालपुर मिडिल स्कूल में कक्षा 6 की छात्रा थी और अपने दो भाई तथा दो बहनों में सबसे बड़ी थी।

पोखर में डूबने से बच्चे की मौत, 11 वर्षीय अनमोल दोस्तों के साथ खेलते हुए गहरे पानी में गया

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज थाना क्षेत्र के मथुरापुर गंज में एक 11 वर्षीय बच्चे की पोखर में डूबने से मौत हो गई। अनमोल कुमार नामक यह बच्चा अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए पोखर के पास पहुंचा था और अचानक उसमें स्नान करने उतर गया। जानकारी के अनुसार, स्नान के दौरान अनमोल गहरे पानी में चला गया और डूब गया। उसके साथ खेल रहे एक बच्चे ने तुरंत गांव वालों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। काफी खोजबीन के बाद अनमोल के शव को पोखर से बाहर निकाला गया। मृतक अनमोल कुमार, अरुण कुमार का बेटा था। परिजनों ने बताया कि अनमोल के तीन भाई और एक बहन हैं। घटना की सूचना मिलते ही लालगंज थाने के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

प्रेम-प्रसंग में विधवा की गला रेतकर हत्या, वैशाली में 4 साल पहले पति की मौत, पड़ोसी से चल रहा था अफेयर

हाजीपुर। हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते विधवा महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार की रात आरोपी ने महिला को अपने साथ चलने को कहा। लेकिन जब उसके साथ जाने से मना किया तो वो नाराज हो गया। वो जबरदस्ती उसे घर से बाहर ले गया और करीब 500 मीटर दूर चाकू से महिला के गला और पेट पर वार कर फरार हो गया। परिजन ने घायल महिला को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना मगरहट्टा पोखर के पास देर शाम हुई। मृतका की पहचान हेला बाजार निवासी स्वर्गीय सकलदीप पासवान की पत्नी हेमंती देवी(32) के रूप में हुई है। उसके पति की चार साल पहले मौत हो गई थी। मृतका के चार बच्चे हैं, 2 बेटा और 2 बेटी। पति के मौत के बाद महिला आसपास के घरों में बर्तन धोकर अपना परिवार को चलाती थी। दरअसल, पति के मौत के बाद हेमंती का इंदल पासवान से संपर्क हुआ। कुछ दिन बाद ही पूरे गांव में दोनों के प्रेम-प्रसंग की बात फैल गई। हालांकि गांव के लोग इस संबंध का विरोध करते थे। उनका कहना था कि सारे बच्चे अब बड़े हो गए है। तुम यह सब छोड़ दो, बच्चो पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। लेकिन महिला ने गांव समाज की बात को नकार दिया था। इस संबंध में मृतका के पड़ोसी रामबाबू पासवान ने बताया कि इंदल पासवान ने महिला के पेट और गले पर चाकू से वार कर हत्या की है। इंदल को मना करते थे, उसके बावजूद वो लोग नहीं माने। प्रेम-प्रसंग का विरोध करने पर इंदल पासवान कई बार मारपीट भी किया था। हेमंती की बेटी बड़ी हो गई थी। वो जब भी मां को मना करती थी, तो वो नहीं बात करने की बात कहकर उसे डांट देती थी। रामबाबू पासवान ने बताया कि देर शाम इंदल पासवान हेमंती को घर से बुलाने आया था। महिला नहीं जा रही थी फिर भी वो महिला को घर से जबरन बुलाकर ले गया। इसके बाद चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग, एसडीपीओ सदर-1 सुबोध कुमार और नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर साक्ष्य जुटाना शुरू किया। एफएसएल टीम को भी बुलाया गया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि इस वारदात को अंजाम देने वाले अभियुक्त की पहचान उसी मोहल्ले के इंदल पासवान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, मृतका और अभियुक्त को घटना से पहले अक्सर साथ आते-जाते देखा गया था। प्रथम दृष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है। पुलिस आरोपी इंदल पासवान की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। एसपी ने यह भी जानकारी दी कि क्षेत्र में विधि-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है, हालांकि घटना के बाद इलाके में कुछ तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की गहनता से जांच के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

लीची के बगीचे में युवक का शव मिला, मां ने छेड़खानी विवाद में हत्या का आरोप लगाया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक युवक का शव लीची के पेड़ से लटका मिला है। परिजनों ने मर्डर के बाद शव पेड़ से लटकाने की आशंका जताई है। मृतक की पहचान किशन कुमार(30) के तौर पर हुई है। शनिवार शाम से लापता था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से मोबाइल और चप्पल मिला है। जांच के लिए FSL कीटीम को भी बुलाया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना अहियापुर थाना क्षेत्र के कोल्हुआ पैगम्बरपुर स्थित लक्ष्मी नगर की है। मृतक की मां अनिता देवी ने छेड़खानी के विवाद में हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मेरे बेटे की हत्या हुई है। पहले उसके साथ मारपीट की गई, फिर शव को पेड़ से लटका दिया है। वहीं, भाई कहना है कि नशे की बात को लेकर घर में किशन को डांट पड़ी थी। पुलिस जांच से ही कुछ स्पष्ट हो सकेगा। टाउन डीएसपी विनीता सिंह ने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण और शुरुआती साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। हालांकि परिजनों ने मारपीट और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस सभी बिंदुओं पर गहनता से छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

फूस के घर में लगी आग, जिंदा जलने से एक शख्स की मौत, 3 गाड़ियों ने पाया काबू, मां ने पिता पर लगाए गंभीर आरोप

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के सरैया अनुमंडल क्षेत्र में घर में लगी आग से जिंदा जलने से एक शख्स की मौत हो गई। परिवार के लोग गहरी नींद में सो रहे थे। अचानक फूस के घर में आग लग गई। देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि राकेश राय(45) को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। मौके पर जान चली गई। मृतक की मां ने पिता पर ही घर में आग लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि परिवार में संपत्ति का विवाद चल रहा था, इसी विवाद में आग लगाई गई है। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक पूरा घर जलकर खाक हो चुका था। इस दर्दनाक हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना जैतपुर थाना क्षेत्र के खैरा गांव(वार्ड संख्या-10) की है। पीड़ित परिवार ने इस घटना को संदिग्ध बताते हुए साजिश के तहत आग लगाए जाने की आशंका जताई है। अग्निशमन विभाग के पदाधिकारी ने बताया कि फूसनुमा घर में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हुई है। कारणों की जांच की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी गई है। जैतपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि देर रात आग लगने से एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ये हादसा था या किसी साजिश का हिस्सा। जांच रिपोर्ट के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

नीट 2026: बिहार में 1.60 लाख अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

♦ छात्राओं की नोज पिन उतरवाई, मेटल डिटेक्टर से जांच, जूतों के बिना एंट्री, सेंटर्स पर लंबी कतार, बिहार के 1.6 लाख छात्र शामिल

एजेंसी, पटना

आज रविवार को नीट यूजी-2026 परीक्षा हो रही है। बिहार के 35 जिलों में 150 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां करीब 1.60 लाख अभ्यर्थी एग्जाम में शामिल हो रहे हैं। वहीं, पूरे देश में लगभग 23 लाख छात्र इस परीक्षा में शामिल हैं। सेंटर्स पर छात्रों की एंट्री बंद हो गई है। कड़ी चेकिंग के बाद ही अंदर जाने दिया गया। मुजफ्फरपुर में छात्राओं की नोज पिन उतरवाई गई है। वहीं छात्रों की मेटल डिटेक्टर से जांच की गई है। जूतों के बिना एंट्री दी गई। पानी की बोतल में लगे रैपर हटाकर अंदर ले जाने की अनुमति मिली। सेंटर के पास से अभिभावकों को हटाया दिया गया है।

परीक्षा का आयोजन भारत के 552 शहरों और विदेश के 14 शहरों में किया गया है। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:20 बजे तक चलेगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इस बार परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए कई अहम बदलाव किए हैं। NTA ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या आभूषण को परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं है।

परीक्षार्थियों की मेटल डिटेक्टर से जांचः नीट परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की सख्त जांच के लिए परीक्षार्थियों को मेटल डिटेक्टर से गुजरना पड़ रहा है। इस दौरान मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन, हेडफोन, माइक्रोफोन, कैलकुलेटर, पेन ड्राइव, डिजिटल घड़ी, फिटनेस बैंड, स्पाई कैमरा, चिप आधारित गैजेट्स और किसी भी तरह के वायरलेस उपकरण पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। यहां तक कि छोटे इलेक्ट्रॉनिक सर्किट या छिपे हुए डिवाइस की भी जांच की जा रही है।

परीक्षार्थियों की ज्वेलरी उतरवाई गईः नीट परीक्षा में इस बार सुरक्षा के कड़े इंतजाम ने परीक्षार्थियों को चौंका दिया है। एग्जाम सेंटर पर प्रवेश से पहले छात्रों को सख्त चेकिंग से गुजरना पड़ रहा है। जूते तक उतरवाए जा रहे हैं, लड़कियों के जूड़े खुलवाकर जांच की जा रही है। नोज पिन, बैंड, घड़ी और अन्य एक्सेसरीज़ हटवाकर ही अंदर जाने की अनुमति मिल रही है। प्रशासन का दावा है कि नकल और किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए ये कदम जरूरी हैं।

बिहटा में रास्ते के विवाद पर 2 पक्षों में मारपीट, 3 लोग घायल

लाठी-डंडे और पत्थर भी चले, वीडियो आया सामने

एजेंसी, पटना

पटना के बिहटा थानाक्षेत्र के बनवारीपुर गांव में रविवार को रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर भी चले, जिसमें एक पक्ष के तीन लोग घायल हो गए। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार, बिहटा थानाक्षेत्र के बनवारीपुर गांव निवासी लक्ष्मण चौबे और बुद्धेश्वर सिंह के परिवारों के बीच घर के रास्ते को लेकर पिछले एक साल से विवाद चल रहा है। कुछ महीने पहले स्थानीय अंचलाधिकारी ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद बताया था कि 14 डिसमिल जमीन आम रास्ता है और इसका उपयोग रास्ते के लिए किया जाएगा।

रविवार को जब लक्ष्मण चौबे अपने परिवार के साथ गाय का चारा लेकर उसी रास्ते से जा रहे थे, तभी बुद्धेश्वर सिंह के परिवार ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे से मारपीट हुई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मारपीट होते दिख रही है। इस घटना में लक्ष्मण चौबे, उनके पुत्र रंजन कुमार और उनकी पत्नी सुखवंती देवी घायल हुए हैं। घटना के बाद लक्ष्मण चौबे ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की है। लक्ष्मण चौबे ने बताया कि अंचलाधिकारी बिहटा ने दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट किया था कि 14 डिसमिल जमीन उनके पूर्वजों की थी और वह आम रास्ता है। इसके बावजूद, जब वे इस रास्ते का उपयोग करते हैं, तो बुद्धेश्वर सिंह और उनका परिवार मारपीट और गाली-गलौज करता है। चौबे ने आरोप लगाया कि बुद्धेश्वर सिंह इस जमीन पर कब्जा भी करना चाह रहे हैं, जिसके कारण आज भी यह मारपीट हुई।

भतीजी के स्कूल के लड़के ने चाचा का किया मर्डर

एजेंसी, पटना

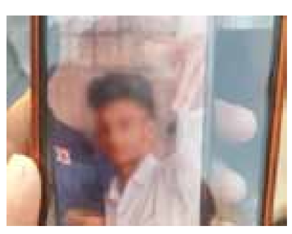

पटना में घर में घुसकर मो. नवाज आलम (30) की हत्या कर दी गई। इस घटना को अंजाम मृतक की भतीजी के स्कूल में पढ़ने वाला छात्र ने दिया है। आरोपी नाबालिग है जो समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय का रहने वाला है। पटना में पिता सिक्योरिटी गार्ड हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपी के पिता ने बताया कि मेरा बेटा फरार है। उससे संपर्क नहीं हो पाया है। उसने जो किया उसके बारे में मुझे कुछ नहीं पता है। दूसरी तरफ पटना पुलिस दलसिंहसराय तक नाबालिग को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। मृतक के भाई नोखेज ने बताया कि आरोपी लड़का मेरी बेटी से जबरन दोस्ती करना चाहता था। वो बेटी को मानसिक टॉर्चर कर रहा था। मैंने अपनी बेटी से पूछा तो उसने बताया कि मुझे डर था कि आप मेरी पढ़ाई न छुड़ा दें, इसलिए किसी को कुछ नहीं बताया। घटना पिरबहोर इलाके के लालबाग की है।

मेरे भाई की किसी से दुश्मनी नहीं थीः मृतक के बड़े भाई नोखेज आलम सेल्स टैक्स डिपार्टमेंट में काम करते हैं। उनका कहना है कि मेरा छोटे भाई (मृतक) का किसी से कोई मतलब नहीं था। हम एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। बगल के प्लैट में घटना के समय सो रहे थे। मेरे कमरे का दरवाजा भी बंद था। सुबह साढ़े 6 बजे अचानक भाई की पत्नी चिल्लाई। हमलोग गए तो देखा स्थिति भयावह थी। मेरा भाई खून से लथपथ था। मेरा भाई रोज सुबह ड्यूटी जाता था और रात में 10 बजे आता था। हमलोगों की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।

पूर्व मंत्री आवास के बाहर मिली नाबालिग लड़की की लाश, हाथों पर लगी मेहंदी, गले पर निशान

एजेंसी, पटना

♦ डॉग स्क्वायड ने 1 किलोमीटर किया सर्च

पटना में नाबालिग लड़की की लाश मिली है। लाश को देखने से अंदाजा लगाया जा रहा कि उसकी उम्र करीब 16 से 17 साल के बीच होगी। जहां शव पड़ा था उसके बगल की चहारदीवारी पूर्व मंत्री जमा खान के आवास की है। पुलिस के अनुसार लड़की के गले पर इंज्यूरी के निशान हैं। पुलिस को आशंका है कि लड़की की हत्या के बाद लाश को फेंका गया है। लड़की कौन है अभी क्लियर नहीं है। सुबह स्थानीय लोग मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे, तब उनकी लाश पर नजर पड़ी थी। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। जांच के लिए डॉग स्क्वायड की टीम भी पहुंची। डॉग स्क्वायड की टीम में लिली (खोजी कुत्ता) था। जिसने 1 किमी तक सर्च किया और फिर घटनास्थल पर वापस आ गया। मामला शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के ललित भवन के पीछे का है।

डॉग स्क्वायड ने दो बार सर्च कियाः डॉग स्क्वायड की टीम जब मौके पर पहुंची तो खोजी कुता लिली ने सर्च अभियान शुरू किया। शुरुआत में लिली मेन रोड के आसपास भटकता रहा। सड़क किनारे उसने सर्च किया। इसी दौरान एक गली में खोजी कुत्ता चला गया। गली के दोनों ओर झाड़ियां थी। डॉग स्क्वायड की टीम को लगा कि इसी गली में कुछ न कुछ जरूर मिलेगा, पर कुत्ता जिस रास्ते से गली में गया था, उसी रास्ते से घटनास्थल के पास पहुंच गया। टीम ने दो बार सर्च किया।

कचरे के बीच लाशः जहां लड़की की डेड बॉडी पड़ी थी, वहां कचरा पड़ा हुआ था। वहां पर बहुत सारे सूखे फूल पड़े थे और गिफ्ट के रैपर भी पड़े हैं। नाबालिग लड़की का आधा चेहरा फूलों के नीचे दबा है। नाबालिग के कपड़े देखकर लग रहा कि वो किसी अच्छे घर से है। कपड़े पर कुछ दाग भी दिख रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि उसे घसीटा गया है और फिर फेंक दिया गया हो।

हत्या कर शव फेंकने की आशंकाः मौके पर पुलिस ने छाबीन की है। जिस जगह पर युवती की बॉडी मिली थी, उसे घेर दिया गया है। वहां पर किसी को भी जाने की इजाजत नहीं है। जब पुलिस छानबीन कर रही थी तब स्थानीय लोगों के बीच यही चर्चा हो रही थी कि लाश को किसने फेंका, लड़की कौन है? गली में रहने वाले युवक पंकज ने बताया कि, 'सुबह यहां पर भीड़ लगी थी तो मैं भी देखने आया। भीड़ के पास जाकर देखा तो एक लड़की की लाश पड़ी हुई थी।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजाः पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए IGIMS लेकर गई है। हालांकि, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। पास में लगे सीसीटीवी फुटेज से पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि लड़की किस दिशा से आई थी। पुलिस मृतका की पहचान करने की कोशिश में जुटी है। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है।

मेट्रो टनल के 20 मीटर दायरे में निर्माण-बोरिंग पर रोक

❒ पटना मेट्रो ऑफिस से लेना होगा एनओसी, टनल की सुरक्षा को लेकर आदेश जारी

एजेंसी, पटना

पटना मेट्रो के अंडरग्राउंड टनल के निर्माण में तेजी लाई गई है। कॉरिडोर-2 में राजेंद्र नगर से पटना जंक्शन तक टनल निर्माण हो रहा है। इसके चलते मेट्रो के दोनों तरफ 20-20 मीटर के दायरे में मकान निर्माण, मकान के जीर्णोद्धार और बोरिंग कराने पर रोक लगा दी गई है। अब कोई भी काम कराने से पहले मेट्रो ऑफिस से अनापत्ति प्रमाणपत्र (NOC) लेना जरूरी होगा। पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने इसकी मॉनिटरिंग शुरू कर दी है। स्पष्ट किया गया है कि टनल को नुकसान से बचाने के लिए यह रोक लगाई गई है।

कंपन से टनल के ठीक ऊपर या सटे मकानों को नुकसान होगाः राजेंद्र नगर, मोइनुल हक स्टेडियम और सैदपुर जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में टनल जमीन से महज 16 से 25 मीटर की गहराई पर है। पटना में सामान्यतः पानी के लिए 350 फीट या उससे अधिक गहराई तक बोरिंग की जाती है। इतनी गहराई टनल के स्ट्रक्चर को सीधे तौर पर क्षतिग्रस्त कर सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, मेट्रो परिचालन के दौरान होने वाले कंपन से टनल के ठीक ऊपर या सटे निर्माणों को नुकसान पहुंच सकता है।

मेट्रो इंजीनियरों की जांच के बाद ही मिलेगी NOC: यदि कोई अपने पुराने मकान का जीर्णोद्धार या नया निर्माण करना चाहता है तो उसे मेट्रो इंजीनियरों की जांच के बाद ही NOC दी जाएगी। इसके लिए नगर निगम को भी सूचित कर दिया गया है। राज्य या केंद्र सरकार के भवनों के निर्माण संबंधी निर्णय मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय कमेटी लेगी।

रेलवे से NOC मिलने के बाद टनल निर्माण हुआ शुरूः मोइनुल हक स्टेडियम से राजेंद्र नगर टर्मिनल के बीच लगभग 800 मीटर तक टनल निर्माण के लिए खुदाई शुरू हो गई है। रेलवे से अनुमति मिलने के बाद दिसंबर 2025 से रुका हुआ निर्माण का काम गति पकड़ा है। दरअसल, मोइनुल हक स्टेडियम से राजेंद्र नगर टर्मिनल होते हुए मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन के पहले तक लगभग 1800 मीटर लंबी टनल तैयार की जानी है। इस हिस्से में खुदाई के लिए पटना मेट्रो ने दो टनल बोरिंग मशीन (TBM) को लगाया था और काम तेजी से चल रहा था, लेकिन रेलवे से मंजूरी नहीं मिलने के कारण इसे रोकना पड़ा। राजेंद्र नगर टर्मिनल के पहले रेलवे लाइन के समीप टनल बनाने के लिए रेलवे की अनुमति आवश्यक थी। अब तीन महीने बाद मार्च से फिर काम को शुरू किया गया। राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन पटना मेट्रो रेल का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन है। यहां 21 मीटर नीचे से मेट्रो रेल गुजरेगी। इसका कारण राजेंद्र नगर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाला रेलवे ट्रैक है। यह एक विशेष मेट्रो स्टेशन होगा, क्योंकि यह रेलवे टर्मिनल से जुड़ा होगा। इस मेट्रो स्टेशन से लोग आसानी से राजेंद्र नगर रेलवे टर्मिनल से ट्रेन भी पकड़ सकेंगे।

पटना में नहाने गए दो बच्चे गंगा नदी में डूबे, एक को सुरक्षित निकाला

8वीं के छात्र की मौत, स्थानीय लोगों ने दूसरे को सुरक्षित निकाला

एजेंसी, पटना

पटना में मंगलवार सुबह गंगा स्नान के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। बेली रोड के रहने वाले दो नाबालिग स्कूली बच्चे बिना घरवालों को बताए जनार्दन घाट पहुंच गए, जहां नहाने के दौरान दोनों डूबने लगे। घाट पर मौजूद लोगों ने बच्चों को डूबता देख तुरंत बचाव शुरू किया और डायल 112 की टीम को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से एक बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि दूसरा गहरे पानी में डूब गया।

2 घंटे बाद मिला दूसरे बच्चे का शवः सूचना मिलने पर गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद डूबे छात्र का शव बरामद कर लिया गया। मृतक की पहचान 8वीं कक्षा के छात्र हर्ष के रूप में हुई है।

छुट्टी के दिन पहुंचे थे घाटः मृतक के दोस्त एमी ने बताया कि दोनों सुबह करीब 9:30 बजे घर से बिना बताए गंगा नहाने आए थे। 'आज छुट्टी थी, इसलिए हम लोग यहां आ गए। नहाने के दौरान हम दोनों डूबने लगे। हर्ष गहरे पानी में चला गया'। उसने बताया। एमी 9वीं कक्षा का छात्र है, जबकि मृतक हर्ष के पिता ड्राइवर बताए जा रहे हैं।

नीट छात्रा मौत-रेप केस, सीबीआई की धीमी जांच पर फटकार

एजेंसी, पटना

पटना की NEET छात्रा से रेप और मौत मामले के 5 महीने हो चुके हैं, लेकिन न तो पुलिस और ना ही CBI किसी नतीजे पर पहुंच पाई है। अब मामले में विशेष पॉक्सो कोर्ट ने CBI की धीमी कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने साफ कहा कि बच्चों से जुड़े अपराधों में जांच में देरी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही पीड़िता के परिवार को 2.5 लाख रुपए का अंतरिम मुआवजा देने का आदेश दिया गया है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि CBI को केस ट्रांसफर हुए 110 दिन से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन अब तक जांच में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। अदालत ने इसे बेहद गंभीर माना और एजेंसी की कार्यशैली पर सवाल उठाए। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी की स्वतंत्रता का मतलब मनमानी नहीं है। "जांच चल रही है" जैसे सामान्य जवाब अब स्वीकार नहीं किए जाएंगे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हर हाल में ठोस प्रगति दिखानी होगी। इस मामले की अगली सुनवाई 15 मई 2026 को तय की गई है, जहां कोर्ट जांच की प्रगति की समीक्षा करेगा। 'ऐसा लगता है कि CBI ने आदेश के बावजूद जानबूझकर चार्जशीट फाइल नहीं की। 10 अप्रैल को समय सीमा के अंदर जांच पूरी करने या स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया था, जिसका पालन नहीं हुआ। यह कोर्ट के आदेश का खुला उल्लंघन है।' कोर्ट ने यह टिप्पणी NEET छात्रा मामले में करते हुए आरोपी मनीष रंजन को जमानत दे दी थी।

सड़क पर कचरा फेंकने पर एआई से कटेगा चालान

❒ पटना स्मार्ट सिटी खरीदेगी 19 गाड़ियां, 110 डिग्री वाइड एंगल पर कैमरा करेगा रिकॉर्ड

एजेंसी, पटना

पटना में खुले में कचरा फेंकना अब लोगों को महंगा पड़ सकता है, क्योंकि ट्रैफिक की तरह अब कचरे को लेकर भी चालान काटने की तैयारी में है। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड एक हाइटेक सिविक सर्विसेज सर्विलांस एंड मॉनिटरिंग प्रोजेक्ट शुरू कर रहा है। इसके तहत 19 इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर गाड़ियां खरीदी जाएगी, जो AI कैमरों से लैस होंगे। ये पटना नगर निगम के सभी 75 वार्डों में घूमेगी। इन गाड़ियों पर हाइ रेजोल्यूशन वाले 4K डैशकैम लगे होंगे, जो 110 डिग्री के वाइड एंगल पर रिकॉर्डिंग करेंगे। इन वाहनों का नाम नगर नेत्र रखा गया है।

ICCC में गाड़ियों का चार्जिंग हब बनेगाः इसके अलावा ये गाड़ियां सड़कों पर कचरा, खुले मैनहोल, खराब स्ट्रीट लाइट और अवैध कब्जों की पहचान कर तुरंत कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजेंगी। कैमरों में जीपीएस लगा होगा, जिससे किसी भी समस्या की सटीक लोकेशन का पता चल सकेगा। ये गाड़ियां रोस्टर के आधार पर हर वार्ड की सभी सड़कों की स्क्रीनिंग करेंगी। इन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर गाड़ियों को चार्ज करने के लिए आइसीसीसी (ICCC) या अन्य चिह्नित जगहों पर चार्जिंग हब भी बनाए जाएंगे। सड़कों पर दौड़ने वाली इन गाड़ियों से मिलने वाले डेटा का विश्लेषण करने के लिए ICCC भवन में एक 'सेंट्रल सिविक सर्विसेज ऑपरेशंससेंटर' (C-SOC) बनाया जाएगा। यहां लगे स्मार्ट AI इंजन कचरे के ढेर, सड़क के गड्ढों, अवैध होर्डिंग्स और लावारिस पशुओं की पहचान करेगा। अगर कहीं एक मीटर से बड़ा कचरे का ढेर या 10 इंच से बड़ा गड्ढा मिलता है तो सिस्टम खुद उसका स्क्रीनशॉट लेकर रिपोर्ट तैयार कर देगा। यह सिस्टम इतना एडवांस होगा कि अवैध विज्ञापन मिलने पर संभावित चालान की राशि की गणना भी कर सकेगा। इससे नगर निगम के अधिकारियों को रियल टाइम डैशबोर्ड में समस्याओं के बारे में पता चलेगा। पटना स्मार्ट सिटी के मुताबिक, इस पूरे प्रोजेक्ट पर 8.95 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसका मुख्य उद्देश्य तकनीक के जरिए नागरिक सुविधाओं को बेहतर करना है। हालांकि, प्रोजेक्ट के संचालन के लिए एक प्रोजेक्ट डायरेक्टर, 2 सिटी कोऑर्डिनेटर और 19 ड्राइवरों सहित कुल 27 लोगों की टीम तैनात रहेगी। इस प्रोजेक्ट को नवंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं, एजेंसी को अगले 36 महीनों तक एजेंसी द्वारा संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी। डैशकैम से डेटा ट्रांसफर के लिए 5G सिम और वाई-फाई तकनीक का उपयोग होगा। इसके सफल होने के बाद दूसरे फेज में इसे ट्रैफिक पुलिस की गाड़ियों और नगर निगम के कचरा वाहनों से भी जोड़ने की योजना है। भविष्य में यह सिस्टम सड़क के किनारों के टूटे डिवाइडर, धुंधली पड़ चुकी रोड मार्किंग और टूटे हुए पेवर ब्लॉक की भी पहचान करेगा, ताकि नागरिक सुविधा में कोई कमी न आए।

संक्षिप्त समाचार

कोठिया हरिराम में डीवाईएफआई पंचायत यूनिट का कन्वेंशन सम्पन्न, 300 सदस्य बनाने का लक्ष्य तय

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला के मेहसी प्रखंड के कोठिया हरिराम पंचायत में रविवार को डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) पंचायत यूनिट का कन्वेंशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दोपहर 12 बजे अमन कुमार की अध्यक्षता एवं इम्तियाज आलम के नेतृत्व में हुई। कन्वेंशन का उद्घाटन राज्य कमिटी सदस्य संतोष कुमार ने किया। उन्होंने संगठन की विचारधारा, उद्देश्य और कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए युवाओं से सामाजिक बदलाव के लिए संगठित होने का आह्वान किया। इसके बाद इम्तियाज आलम ने संगठन के कार्यक्रमों और आगामी योजनाओं पर चर्चा की। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से सात सदस्यीय कन्वेनिंग कमिटी का गठन किया गया। अमन कुमार को संयोजक, सतेंद्र कुमार और लवकुश कुमार को सह-संयोजक बनाया गया। वहीं, मुकेश कुमार, मोहम्मद साहिल, मोहम्मद मजहर और छोटू कुमार को सदस्य चुना गया। कन्वेंशन में वक्ताओं ने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। इस दौरान पंचायत में 300 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। अंत में जनवादी नारों के साथ बैठक का समापन हुआ।

ढाका पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 142 बोतल नेपाली शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। ढाका थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 142 बोतल नेपाली शराब बरामद की है। कार्रवाई के दौरान दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष राजरूप राय के नेतृत्व में पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में शराब की खेप पहुंचाई जा रही है। सूचना के आधार पर विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया, जिसमें कुल 142 बोतल नेपाली शराब बरामद की गई। बरामद शराब की मात्रा लगभग 42.6 लीटर बताई जा रही है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की तत्परता की सराहना की है। थानाध्यक्ष राजरूप राय ने बताया कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी स्थिति में शराब तस्करी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि अवैध शराब कारोबार की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। फिलहाल गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है तथा पुलिस पूरे नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी हुई है।

मुकेश कुमार बने कोटवा थाना के नए थानाध्यक्ष

बीएनएम @ मोतिहारी। पुलिस प्रशासन में फेरबदल के तहत 2018 बैच के दारोगा मुकेश कुमार को कोटवा थाना का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले वे बंजरिया थाना में पदस्थापित थे। गौरतलब है कि कोटवा के तत्कालीन थानाध्यक्ष करण कुमार को पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने शनिवार को लाइन क्लोज कर दिया था, जिसके बाद यह पद खाली हो गया था। अब मुकेश कुमार को कोटवा थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके पदभार संभालने के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है।

शिकारपुर थाना में एसपी ने लगाया जनता दरबार, आमजन की समस्याएं सुनी

बीएनएम @ बेतिया। पुलिस मुख्यालय, बिहार पटना के निर्देशानुसार रविवार को शिकारपुर थाना परिसर में जनता दरबार सह भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन ने किया। जनता दरबार के दौरान आमजनों एवं जनप्रतिनिधियों की समस्याओं और मामलों को सुनने के बाद एसपी ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी डॉ. शौर्य सुमन ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस-जनता संबंध को मजबूत करना, जनप्रतिनिधियों एवं आम लोगों की समस्याओं का शीघ्र निष्पादन करना, महिलाओं एवं किशोरियों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करना तथा भयमुक्त वातावरण स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि बेहतर पुलिसिंग और जनसहभागिता के लिए इस तरह का कार्यक्रम लगातार जारी रहेगा। जनता दरबार के बाद एसपी ने शिकारपुर थाना में उपस्थित अनुसंधानकर्ताओं के साथ गंभीर शीर्ष के लंबित कांडों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मामलों के त्वरित निष्पादन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं एक कांड में लापरवाही बरतने के आरोप में एक अनुसंधानकर्ता के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। कार्यक्रम में नरकटियागंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, शिकारपुर के पर्यवेक्षी पदाधिकारी समेत थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

बीएनएम @ बेतिया। बलथर थाना क्षेत्र के लाइन परसा गांव में नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, घटना 30 अप्रैल 2026 की बताई जा रही है। मामले की सूचना 2 मई 2026 को पीड़िता के परिजनों द्वारा बलथर थाना को दी गई। इसके बाद पीड़िता की मां के फर्द बयान के आधार पर बलथर थाना कांड संख्या 73/26 दर्ज कर तीन अभियुक्तों को नामजद किया गया। पुलिस ने पीड़िता का चिकित्सीय जांच कराया है तथा घटनास्थल की जांच विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के विशेषज्ञों द्वारा कराई गई है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य अभियुक्त सलीम गद्दी उर्फ बाल ठाकरे को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वह लाइन परसा गांव, थाना बलथर, जिला पश्चिम चंपारण का निवासी बताया गया है। पुलिस अन्य नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। बेतिया पुलिस ने कहा है कि अपराध नियंत्रण एवं विधि-व्यवस्था संधारण के लिए पुलिस सदैव तत्पर है।

गेट 2026 में महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का उत्कृष्ट प्रदर्शन, 33 विद्यार्थी सफल

» कुलपति ने दी बधाई, टीमवर्क को बताया सफलता का आधार

बीएनएम @ मोतिहारी

SHRUTI GUPTA
AIR 2040

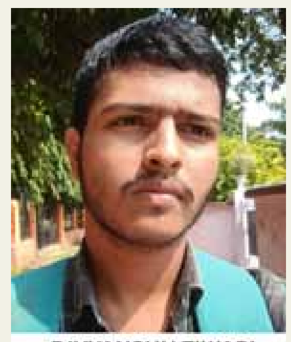
DIVYANSHU TIWARI
AIR 296

AKSHANSH RAJ TIWARI
AIR 493

RANJEET CHAUDHARY
AIR 63

RISHABH SHUKLA
AIR 1230

RAJ SINGH
AIR 1535

ROHIT RAJ
AIR 130

PANKAJ KUMAR SINGH
AIR 1664

मोतिहारी। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने गेट 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक और उदाहरण प्रस्तुत किया है। विभाग के बीटेक (कंप्यूटर साइंस) के तृतीय एवं अंतिम वर्ष के कुल 51 विद्यार्थियों में से रिकॉर्ड 33 विद्यार्थियों ने गेट 2026 परीक्षा उत्तीर्ण की है, जो बिहार राज्य में एक ही विभाग से सर्वाधिक सफलता मानी जा रही है। इस उपलब्धि में तृतीय वर्ष के छात्र रणजीत चौधरी ने अखिल भारतीय 63वीं रैंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। वहीं अंतिम वर्ष के छात्रों में रोहित राज ने 130वीं, दिव्यांशु वत्स ने 296वीं तथा अक्षांश तिवारी ने 493वीं रैंक हासिल की है। वर्ष 2017 में स्थापित कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने अपने प्रथम बैच से ही उत्कृष्ट प्रदर्शन की परंपरा को बनाए रखा है। पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी विभाग ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग परीक्षा गेट में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। विभागाध्यक्ष प्रो. विकास पारीक ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग में वर्तमान में केवल कंप्यूटर विज्ञान शाखा संचालित है, और एक ही विभाग से इतने अधिक विद्यार्थियों का गेट में सफल होना पूरे बिहार में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। अंतिम वर्ष के सफल विद्यार्थियों में रोहित राज, दिव्यांशु वत्स, अक्षांश कुमार तिवारी, राज कुमार, प्रिंस कुमार विश्वकर्मा, आदर्श चंद, रितीक राज तिवारी, आर्या कुमारी, अंकित, राजीव कुमार, मुस्कान, आर्यन राज, जयंतीका, पवन कुमार विश्वकर्मा एवं विशाल आर्यन तथा तृतीय वर्ष के रणजीत चौधरी, ऋषभ शुक्ला, पंकज कुमार सिंह, श्रुति गुप्ता, सृष्टि गुप्ता, स्वतंत्र साहू, संदीप प्रजापति, ज्ञान प्रकाश यादव, आलोक जायसवाल, मोनू कुमावत, पवित्र मंडल, अजैन राज पाराशर, प्रतीक पांडेय, रिया कुमारी, आलोक मेहता, कार्तिक साहू, प्रताप यादव एवं आदिल लतीफ़ का नाम शामिल है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष गेट परीक्षा का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी द्वारा किया गया था। इस परीक्षा में देशभर से लाखों अभ्यर्थी सम्मिलित होते हैं और इसके माध्यम से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों सहित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में एमटेक में प्रवेश तथा विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में नियुक्ति के अवसर प्राप्त होते हैं। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने विभाग के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए इसे सामूहिक प्रयास, समर्पण एवं शैक्षणिक गुणवत्ता का परिणाम बताया। वहीं विभागाध्यक्ष प्रो. विकास पारीक एवं संकायाध्यक्ष प्रो. रणजीत चौधरी ने इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापकों प्रो. अरविन्द कुमार शुक्ल, डॉ. शुभम कुमार, डॉ. विपिन कुमार एवं डॉ. सुनील कुमार सिंह को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। इस उत्कृष्ट सफलता से पूरे विश्वविद्यालय एवं विभाग में हर्ष का माहौल है तथा यह उपलब्धि एमजीसीयू की बढ़ती शैक्षणिक प्रतिष्ठा का प्रमाण है।

मोतिहारी में अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा का भव्य स्वागत

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। मोतिहारी में उस समय उत्साह का माहौल देखने को मिला जब पटना उच्च न्यायालय अधिवक्ता एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा अपने कर्मभूमि पहुंचे। उनके प्रथम आगमन पर स्थानीय अधिवक्ताओं और गणमान्य लोगों ने भव्य स्वागत कर अपनी खुशी और गर्व व्यक्त किया। इस अवसर पर अधिवक्ता डॉ॰ नरेंद्र देव (पूर्व महासचिव), संजय श्रीवास्तव, श्री नारायण गिरी, राकेश सिंह, अमित जी, मुकुंद कुमार तिवारी, राकेश कुमार, सुबोध जी, पंकज जी, प्रियांशु देव, अजहर जी, नितेश रंजन वर्मा, संजय जी, इम्तेजायज़ जी, अंबुज जी, मुकेश जी, अभिषेक जी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पगुच्छ और माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ॰ नरेंद्र देव ने अपने संबोधन में कहा, "यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि हमारे ईमानदार और कर्मठ अधिवक्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली है। हमें विश्वास है कि इनके नेतृत्व में अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान और न्यायिक व्यवस्था को और मजबूत बनाने का कार्य तेजी से होगा।" स्वागत समारोह में अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा ने भी सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा और न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

मेहसी में जदयू नेता निशांत कुमार की सद्भाव यात्रा का भव्य स्वागत

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। चंपारण के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध जिला के मेहसी स्थित महेंद्र चौक पर रविवार को जदयू नेता इंजीनियर निशांत कुमार की "सद्भाव यात्रा" का कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने भव्य और गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला और चौक पर जदयू कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्वागत कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ निशांत कुमार का अभिनंदन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी एकता, समर्पण और जनसेवा के भाव के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि जदयू समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर विकास की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है और इसी लक्ष्य को लेकर उनकी यह सद्भाव यात्रा जारी है। निशांत कुमार ने कहा कि कार्यकर्ताओं का जोश और समर्थन यह दर्शाता है कि पार्टी जमीनी स्तर पर मजबूत हो रही है। उन्होंने सभी से आगामी कार्यक्रमों और अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। संक्षिप्त संबोधन के बाद वे अपने अगले पड़ाव के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर स्वागत करने वालों में विधायक शालिनी मिश्रा, मेहसी प्रखंड अध्यक्ष राजू कुशवाहा, जदयू नेता कविंद्र कुशवाहा, शैलेश प्रसाद कुशवाहा, संजय कुशवाहा, पूर्व विधायक शिवजी राय, वरिष्ठ नेता राजेश गिरी, राकेश द्विवेदी, आलम अंसारी, अवधेश पटेल, अभय पटेल, अयोध्या प्रसाद, परमानंद पटेल, जगदीश राय सहित बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा गया और पूरे आयोजन को संगठन की एकता और शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई नीट यूजी-2026 परीक्षा, 13 केंद्रों पर 6336 अभ्यर्थी हुए शामिल

» डीएम-एसपी ने किया औचक निरीक्षण, कदाचार पर पूरी तरह लगी रोक

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले में नीट यूजी-2026 की परीक्षा रविवार को शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न हो गई। प्रशासन की कड़ी निगरानी और व्यापक तैयारियों के बीच 13 परीक्षा केंद्रों पर कुल 6336 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा एक ही पाली में दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा के सफल संचालन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। प्रवेश के लिए समय सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित था, जिसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया गया। सभी परीक्षार्थियों की सघन जांच के साथ बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश की अनुमति दी गई। विभिन्न केंद्रों पर अभ्यर्थियों का वितरण सुव्यवस्थित तरीके से किया गया था। एम.एस कॉलेज, एम.जे.के कन्या इंटर कॉलेज और एल.एन.डी कॉलेज में 720-720 अभ्यर्थी, जिला स्कूल में 672, मोतिहारी इंजीनियरिंग कॉलेज और मंगल सेमिनरी में 600-600 परीक्षार्थी शामिल हुए। इसके अलावा राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में 528, एस.पी.जी प्लस टू विद्यालय जीवधारा में 408, गोपाल साह प्लस टू विद्यालय में 360, मुजीब बालिका स्कूल में 288, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (बलुआ टाल) में 288, बनकट परिसर में 192 तथा प्रभावती गुप्ता कन्या उच्च विद्यालय में 240 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। वहीं सुरक्षा व्यवस्था के तहत सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और जैमर लगाए गए थे, जिससे नकल की किसी भी संभावना को समाप्त किया जा सके। प्रत्येक कक्ष में घड़ी, बिजली, पेयजल एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने मंगल सेमिनरी, एमजेके बालिका इंटर कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज एवं महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने परीक्षा संचालन को संतोषजनक बताया। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की सतत निगरानी के चलते परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

आगरा एक्सप्रेसवे हादसे में भागलपुर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण कुशवाहा का निधन, मोतिहारी में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला कांग्रेस कमिटी के बैनर तले नगर के मधुबन छावनी चौक स्थित सूर्या होटल के सभागार में भागलपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण कुशवाहा के आगरा एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में असामयिक निधन पर रविवार को शोकसभा आयोजित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रो. अखिलेश दयाल ने कहा कि प्रवीण कुशवाहा ने एनएसयूआई से राजनीति की शुरुआत कर युवा कांग्रेस में विभिन्न प्रदेशों के प्रभारी के रूप में निष्ठापूर्वक कार्य किया। उनके योगदान को देखते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उन्हें पार्टी प्रत्याशी भी बनाया था। उनका निधन कांग्रेस पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र शुक्ला, स्टेट डेलिगेट मुमताज अहमद, पर्यवेक्षक अनवर आलम, रविंद्र प्रताप सिंह, संजीव कुमार सिंह उर्फ टुन्नी सिंह, विजय कुमार जयसवाल, मदन कुशवाहा, बच्ची पांडे, इफ्तेखार खां, डॉ. परवेज आलम, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिट्टू यादव समेत कई कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने लूट की योजना किया विफल, 4 अपराधी गिरफ्तार; पिस्टल व जिंदा कारतूस बरामद

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लूट और डकैती की योजना बना रहे चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 3 मई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि हरपुर थाना क्षेत्र के कछुआरी कचरा भवन के पास 9-10 अपराधी संगठित होकर लूट एवं डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने आदापुर थाना क्षेत्र में हुई लूट की घटना और रंगदारी मांगने में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इस संबंध में हरपुर थाना कांड संख्या 50/26 दर्ज किया गया है। वहीं अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में नूर आलम उर्फ सिंघुल, सहजाद अंसारी, समीर अंसारी एवं अनवर आलम शामिल हैं। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार नूर आलम उर्फ सिंघुल का आपराधिक इतिहास भी रहा है और वह नेपाल के बीरगंज में भी जेल जा चुका है। इस कार्रवाई में रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शमनीष आनंद, आदापुर प्रशिक्षु थानाध्यक्ष राकेश कुमार महतो, हरपुर थानाध्यक्ष प्रियंका कुमारी, आदापुर थानाध्यक्ष पूजा कुमारी समेत एसटीएफ टीम और अन्य पुलिस बल शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

नौतनवा चौक के पास ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर में युवक की मौत

» हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक हो गया फरार
» इसी साल 20 अप्रैल को हुई थी मृतक रमेश की शादी

बीएनएम @ बगहाः बगहा पुलिस जिला के चिउटहां थाना क्षेत्र के नौतनवा चौक के समीप ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। सूचना मिलते ही चिउटहां थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। साथ ही ट्रैक्टर और बाइक को जब्त कर थाना लाया गया है।मृतक की पहचान वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के कोतरहा गांव निवासी बैजनाथ शर्मा के 27 वर्षीय पुत्र रमेश शर्मा के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और घर में मातम छा गया है।मृतक के पिता बैजनाथ शर्मा ने बताया कि रमेश चिउटहां थाना क्षेत्र के नौतनवा स्थित अपने मामा नागेंद्र शर्मा के घर घूमने आया था। वहीं से किसी काम से बाइक से जा रहा था, तभी एक मोड़ पर ट्रैक्टर से उसकी टक्कर हो गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रमेश की शादी इसी साल 20 अप्रैल को नरकटियागंज थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में हुई थी। वह अपने परिवार में दो बहनों और एक भाई में सबसे छोटा था। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। चिउटहां थानाध्यक्ष उदयभान सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। ट्रैक्टर और बाइक को जब्त कर लिया गया है। वाहन नंबर के आधार पर मालिक और चालक की पहचान की जा रही है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

स्कॉर्पियो और बाइक की टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से जख्मी

बीएनएम @ पटना। फतुहा थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई।जहां आज सुबह करीब 11 बजे जी ओ मार्ट के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और बाईक के बीच जोरदार टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और उस पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक सड़क किनारे फेंका गए। दोनों बुरी तरह घायल हो गया।हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।लोग घटना देखकर दौड़े।स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को आनन-फानन में फतुहा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।लेकिन हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने इलाज कर उन्हें तुरंत पटना के पीएमसीएच भेज दिया।घायलों की पहचान शिवचक निवासी मुकुल कुमार (पिता स्व. संतोष कुमार) और बलवा निवासी प्रशांत कुमार (पिता पिंटू कुमार) के रूप में हुई है। दोनों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई थी और जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। स्थिति नाजुक बताई जा रही थी।वहीं पीएमसीएच के बाद एक का ईलाज प्राइवेट हासपीटल में कराई गई।इधर, हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से फरार हो गया, जिससे लोगों में आक्रोश भी देखने को मिला।सूचना मिलते ही फतुहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। फरार वाहन की तलाश जारी है। वहीं ईलाज के दौरान मुकुल कुमार की मौत की सुचना मिली। वहीं इस दुर्घटना की सुचना परिजनों को मिली परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में मातम छा गया। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

गैंगरेप मामले में भाकपा माले ने पीड़िता के घर और घटनास्थल का किया दौरा

बीएनएम @ गयाजी। बेलागंज थाना क्षेत्र में ट्रेन से उतरी युवती के साथ गैंगरेप मामले में भाकपा माले की एक जांच टीम ने आज पीड़िता के ननिहाल व घटनास्थल जाकर मामले की जानकारी ली। टीम में भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य तारिक अनवर, बेलागंज प्रखंड सचिव सूर्यविलास पासवान, जिला कमेटी सदस्य मो. शेरजहां, प्रखंड कमेटी सदस्य रामानंद मांझी व रणधीर पासवान शामिल थे। पीड़िता के परिजनों ने बताया कि युवती शुक्रवार शाम जहानाबाद से ट्रेन से बेलागंज अपने ननिहाल आ रही थी। बेला स्टेशन से ट्रेन खुलते ही आउटर पर रुक गई। जब वह ट्रेन से उतरी तो अपराधियों ने उसे चंगुल में लेकर उसके साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद भाकपा माले नेताओं ने घटनास्थल का भी मुआयना किया। वहीं इस घटना के खिलाफ भाकपा माले ने 4 मई को बेलागंज बाजार में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य तारिक अनवर ने कहा कि एनडीए राज में आज बिहार में हत्या, बलात्कार और अपराध आम हो गया है। अपराधी बेखौफ होकर जघन्य घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। अपराध नियंत्रण का सरकारी दावा फेल है। साथ ही पटना–गया रेलखंड पर ट्रेनों की सुरक्षा की गारंटी की जाए। अक्सर चेन पुलिंग की घटनाएं होती रहती हैं।वहीं माले नेताओं ने गया पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर स्पडी ट्रायल चलाकर सजा सुनिश्चित करने की मांग की है।

किशनगंज में एलपीजी गैस की आपूर्ति सामान्य : डीएम

बीएनएम @ किशनगंज। जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता, आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था पूरी तरह सामान्य और सुचारू रूप से संचालित हो रही है। रविवार को जिलाधिकारी विशाल राज ने बताया कि वर्तमान में जिले में एलपीजी गैस सिलेंडरों का स्टॉक 7398 से अधिक है और आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक है। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी व्यवस्था पूर्व की तरह सुचारू रूप से चालू है, जिससे उपभोक्ताओं को एजेंसी जाने की आवश्यकता नहीं है।उपभोक्ता घर बैठे बुकिंग कर सकते हैं और उन्हें 2 से 3 दिनों के भीतर सिलेंडर उपलब्ध करा दिया जा रहा है। प्रशासन द्वारा शहरी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिनों तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए 45 दिनों के बाद पुनः बुकिंग की समय-सीमा निर्धारित की गई है। वहीं, कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगाने के लिए धावा दल द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन ने कंट्रोल रूम स्थापित किया है, जो प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक दो पालियों में संचालित हो रहा है। कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 06456-225152 जारी किया गया है। आज एलपीजी गैस से संबंधित एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसका निष्पादन कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर किसी प्रकार की चिंता न करें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

45 मरीजों की निःशुल्क जांच कर दी गईं दवाएं

बीएनएम @ गयाजी। शहर के बिसार तलाब रोड स्थित आई. एम ए हॉल में लॉयंस क्लब गया द्वारा जेरियाट्रिक क्लीनिक का आयोजन किया गया। लायन डॉ. नन्द किशोर गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित इस निःशुल्क मेडिकल जाँच शिविर में आज कुल 45 मरीजों की जांच की गई एवं जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई गई। उपस्थित चिकित्सकों में प्रमुख रूप से डॉ. चंद्र किरण (फिजिशियन), डॉ. अभय सिंबा (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. सुबोध कुमार (कान, गला, नाक रोग विशेषज्ञ), डॉ. अनुपम चौरसिया (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. अलका भारती (दंत चिकित्सक), डॉ. नन्द किशोर गुप्ता, डॉ.उमेश कुमार (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. अमन कुमार (फिजियोथेरेपी) के साथ पारा मेडिकल सहयोगी अजय कुमार, ललन प्रसाद, राजू कुमार एवं पप्पू कुमार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष लायन विनय वर्मा, सचिव लायन डॉ. तनवीर उस्मानी, लायन शिव अग्रवाल एवं लायन अजय कुमार उपस्थित थे।

हरसिद्धि थाना परिसर में सुरक्षा को लेकर बैठक, सीसीटीवी व अलार्म सिस्टम लगाने पर जोर

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से थाना परिसर में थानाध्यक्ष सुनील कुमार की अध्यक्षता में सीएसपी संचालकों, पेट्रोल पंप व्यवसायियों, बड़े कारोबारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने कहा कि सीएसपी एवं बैंकिंग सेवाओं से जुड़े सभी केंद्रों पर सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने ग्रिल गेट, सीसीटीवी कैमरा एवं अलार्म सिस्टम लगाने का निर्देश देते हुए कहा कि बैंक से अधिक राशि की निकासी अथवा परिवहन के दौरान थाने को पूर्व सूचना दें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने सीएसपी संचालकों से अपील की कि यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति आसपास दिखाई दे या किसी के पीछा करने की आशंका हो तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। वहीं, बड़े व्यवसायियों एवं पेट्रोल पंप संचालकों को भी अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने और सतर्क रहने की सलाह दी गई। थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षा प्रदान करना है। व्यवसायियों से नकदी के लेन-देन एवं आवागमन के दौरान पुलिस सहयोग लेने की भी अपील की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों से शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने में सहयोग की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि शराब बेचने और सेवन करने वालों की सूचना पुलिस को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने यह भी स्पष्ट किया कि आम नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर सीधे उनसे मिल सकते हैं, इसके लिए किसी बिचौलिए की आवश्यकता नहीं है। बैठक में पूर्व सरपंच ओम प्रकाश चौबे, वीरेंद्र कुमार, ललन साहनी, वेद प्रकाश कुशवाहा, डॉ. लाल बाबू साहनी, अभिषेक कुमार उर्फ रोहित सिंह, कस्तूरी खान सहित कई जनप्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी उपस्थित थे।

रक्सौल बॉर्डर पर शराब तस्करी का खुलासा, कमर में बांधकर ला रहा था नेपाली शराब, युवक गिरफ्तार

बीएनएम @ रक्सौल। नेपाल-भारत सीमा पर शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी थाना रक्सौल की टीम ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक नेपाल से भारत आते समय अपने कमर में शराब बांधकर ला रहा था। आबकारी थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि जांच के दौरान एक संदिग्ध युवक की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में उसके कमर में बंधे 10 पीस कस्तूरी नेपाली देसी शराब बरामद किए गए, जिसकी कुल मात्रा करीब 3 लीटर बताई गई है। गिरफ्तार युवक की पहचान रामगढ़वा थाना क्षेत्र के नौकटवा गांव निवासी मंटू प्रसाद के 19 वर्षीय पुत्र रोशन कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह रामगढ़वा क्षेत्र में शराब की होम डिलीवरी करता है। आबकारी विभाग ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

ऑर्केस्ट्रा की आड़ में चल रहे अवैध देह व्यापार का भंडाफोड़, 7 महिला समेत 9 गिरफ्तार

बीएनएम @ रक्सौल

रक्सौल। रक्सौल अनुमंडल क्षेत्र के सौनहा गांव में पलनवा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑर्केस्ट्रा की आड़ में चल रहे अवैध देह व्यापार के धंधे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान 7 महिलाओं एवं 2 पुरुषों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सौनहा गांव में ऑर्केस्ट्रा की आड़ में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना मिलने के बाद वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। पलनवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार महिलाओं में 5 नेपाल एवं 2 पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं। वहीं दो पुरुषों को भी मौके से गिरफ्तार किया गया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 2 पॉकेट कंडोम, 3 पॉकेट मैनफोर्स टैबलेट तथा 7 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि छापेमारी दल में प्रशिक्षु सहायक पुलिस अधीक्षक सह रक्सौल थानाध्यक्ष हेमंत कुमार, पलनवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, पुअनि सुबोध कुमार, सिपाही रवि कुमार, गृहरक्षक नीरज कुमार, अभिनंदन कुमार, म.सी. मधु कुमारी एवं अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस मामले में अग्रेतर कार्रवाई कर रही है।

सोनबरसा पंचायत में जनगणना 2027 की तैयारी तेज, घर-घर शुरू हुआ आवास सूचीकरण

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत में जनगणना 2027 को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रथम चरण के तहत आवास सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य अब जमीनी स्तर पर शुरू कर दिया गया है। अभियान के अंतर्गत प्रगणकों की टीम गांव-गांव पहुंचकर घरों का विवरण एकत्र कर रही है। साथ ही प्रत्येक क्षेत्र का नजरी नक्शा (मैप) भी तैयार किया जा रहा है, ताकि जनगणना कार्य को व्यवस्थित एवं सटीक बनाया जा सके। ग्राम पंचायत सोनबरसा में पर्यवेक्षक अमित कुमार तिवारी एवं फील्ड ट्रेनर के नेतृत्व में टीम ने अपने-अपने एचएलबी (हाउस लिस्टिंग ब्लॉक) क्षेत्र में पहुंचकर भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान कर्मियों ने घर-घर जाकर मकानों की संख्या, स्थिति एवं भौगोलिक जानकारी दर्ज की। जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों एवं कर्मियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। टीम में आदित्यनाथ तिवारी, रंजन कुमार, रामेश्वर राम, अमर कुमार, अमित कुमार एवं विजय कुमार सहित अन्य कर्मी शामिल रहे, जिन्होंने क्षेत्र का दौरा कर आवश्यक आंकड़े जुटाए। अधिकारियों ने बताया कि यह प्रारंभिक चरण जनगणना की सफलता की मजबूत नींव है। पर्यवेक्षक अमित कुमार तिवारी ने कहा कि इसी प्रक्रिया के आधार पर आगे की गणना की रूपरेखा तय की जाएगी। उन्होंने सभी प्रगणकों को पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। प्रशासन को उम्मीद है कि इस अभियान से प्राप्त सटीक आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं एवं सरकारी नीतियों के निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे।

एनएच-27 पर दर्दनाक हादसा : डुमरियाघाट के पहल चौक के पास जख्मी मिले दो बाइक सवारों की इलाज के दौरान मौत

» हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर रात के समय सुरक्षित यात्रा और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए है

बीएनएम@डुमरियाघाट

डुमरियाघाट। पूर्वी चंपारण जिले के डुमरियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-27 पर शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस गश्ती के दौरान पहल चौक के समीप सड़क किनारे मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों को गंभीर रूप से जख्मी अवस्था में पाया गया। डुमरियाघाट थाना पुलिस ने मानवता का परिचय देते हुए तत्काल दोनों जख्मियों को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई और बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेजा। हालांकि अस्पताल ले जाने के क्रम में ही दोनों युवकों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान कोटवा थाना क्षेत्र के जसौली पट्टी गांव निवासी दीपक कुमार (पुत्र सुरेश सिंह) एवं रजनीश कुमार (पुत्र गौरी साह) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम (अंत्यपरीक्षण) के लिए मोतिहारी भेज दिया है। प्रारंभिक आशंका सड़क दुर्घटना की जताई जा रही है, हालांकि दुर्घटना कैसे हुई यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेंदु ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है तथा सभी बिंदुओं पर जांच करते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आसपास के क्षेत्र और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों की जांच में जुटी हुई है। इस हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर रात के समय सुरक्षित यात्रा और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हरसिद्धि में एएलटीएफ व स्वान दस्ता की बड़ी कार्रवाई, 21 लीटर देसी शराब बरामद

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत हरसिद्धि पुलिस ने एएलटीएफ एवं स्वान दस्ता के सहयोग से छापेमारी कर मुरारपुर से 21 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। कार्रवाई के दौरान एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई, जबकि बाइक चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस फरार चालक की पहचान कर उसके खिलाफ अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने करीब 500 लीटर शराब बनाने के लिए तैयार पास (अर्द्धनिर्मित सामग्री) को भी नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई से शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर शराब निर्माण और तस्करी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

भाजपा से असहमति राजनीतिक ही नहीं, वैचारिक दूरी भी : मनोज झा

बीएनएम@ नई दिल्ली

नई दिल्ली । सियासी बहस के बीच मनोज झा का बयान चर्चा में है। उन्होंने साफ कहा कि राष्ट्रीय जनता दल की भारतीय जनता पार्टी से असहमति केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि गहरी वैचारिक दूरी भी है। उनके अनुसार यह मतभेद नीतियों से आगे बढ़कर उस भाषा और शैली तक पहुंचता है, जो शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर भी नजर आती है।मनोज झा ने कहा कि जब जांच एजेंसियों के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठते हैं, तो विपक्ष और नागरिक समाज एक साथ आवाज उठाते हैं। उनका मानना है कि संस्थाओं की निष्पक्षता और कानून का राज लोकतंत्र की बुनियाद है, और इसे किसी भी हाल में कमजोर नहीं होना चाहिए।उन्होंने विपक्ष को भी नसीहत दी कि भाजपा का विरोध करते हुए अपनी भाषा और आचरण पर नियंत्रण रखना जरूरी है। उनके मुताबिक, अगर विरोध के दौरान वही तीखी और विभाजनकारी भाषा अपनाई जाती है, तो नैतिक आधार कमजोर हो जाता है और राजनीतिक संघर्ष का उद्देश्य धुंधला पड़ जाता है।मनोज झा ने चेतावनी दी कि सत्ता में आने के बाद यदि एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक मकसद से किया जाता है, तो फर्क सिर्फ चेहरों का रह जाएगा, व्यवस्था नहीं बदलेगी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस तरह की राजनीति देश के लिए सही दिशा है।

सरकारी विद्यालयों में बदलाव की नई पहचान बना "टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स"

» शिक्षकों और छात्रों को डिजिटल मंच से जोड़कर शिक्षा में ला रहा सकारात्मक परिवर्तन

बीएनएम@पटना/मोतिहारी

पटना/मोतिहारी। राज्य के सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण तैयार करने की दिशा में "टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स" समूह पिछले कई वर्षों से निःस्वार्थ भाव से कार्य कर रहा है। वर्ष 2019 से सक्रिय यह समूह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से शिक्षकों, छात्रों एवं शिक्षा प्रेमियों को जोड़ते हुए शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और सकारात्मक बदलाव की मिसाल बन चुका है। समूह का मुख्य उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों तथा नवाचारों को बढ़ावा देना है। टीचर्स ऑफ बिहार के प्रयासों का प्रभाव अब राज्य के अधिकांश विद्यालयों में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। शिक्षक अपने विद्यालयों में नई गतिविधियों और तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए बच्चों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा शिक्षा, साहित्य, विज्ञान, बाल गतिविधियों एवं नवाचारों को केंद्र में रखते हुए अनेक पत्रिकाओं का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है। इनमें दैनिक ज्ञानकोश, प्रज्ञानिका, पद्यपंकज, गद्यगुंजन, बालमन, बालमंच, कर्मणा, अनुसंधानम्, अभिमत, प्रकृति प्रहरी, प्रगाथा, विद्यार्थी दर्पण, रेलगाड़ी (बालमन एक्सप्रेस), चम्पारण ज्ञानाग्रह, सुरक्षित शनिवार और बैगलेस डे, प्रोजेक्ट शिक्षक साथी, शिक्षक और AI तथा भावों की उड़ान जैसी पत्रिकाएँ शामिल हैं। इन पत्रिकाओं के माध्यम से शिक्षकों और विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। समूह के संस्थापक शिव कुमार एवं टेक्निकल टीम लीडर ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार केवल एक संगठन नहीं, बल्कि शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला एक जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि समूह का उद्देश्य शिक्षकों को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ वे अपने नवाचार, गतिविधियाँ और अनुभव साझा कर सकें। प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि समूह लगातार शिक्षकों को डिजिटल शिक्षा, नवाचार, साहित्य, विज्ञान एवं सामाजिक जागरूकता से जोड़ते हुए नई दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में समूह राज्य स्तर पर और भी बड़े शैक्षिक अभियानों का संचालन करेगा। इवेंट लीडर केशव कुमार ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा का केंद्र बन चुका है। यह समूह शिक्षकों एवं छात्रों की प्रतिभा को नई पहचान दिलाने के साथ-साथ सरकारी विद्यालयों की सकारात्मक तस्वीर समाज के सामने प्रस्तुत कर रहा है।

अधिकारों का सार्थक ढंग

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत में समस्या अधिकारों का अभाव नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारों का सार्थक ढंग से उपभोग किया जा सके। भारत की जमीनी हकीकत से परिचित लोग सहज ही इस राय से इत्तेफाक रखेंगे।

अधिकारों पर जारी बहस के बीच प्रधान न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत ने यह महत्त्वपूर्ण टिप्पणी की है कि 'जिस अधिकार का व्यवहार में उपभोग ना किया जा सके, वह कागजी वायदे के ज्यादा कुछ नहीं है।' उन्होंने कहा कि भारत में समस्या अधिकारों का अभाव नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारों का सार्थक ढंग से उपयोग किया जा सके। भारत की जमीनी हकीकत से परिचित लोग सहज ही प्रधान न्यायाधीश की इस राय से इत्तेफाक रखेंगे। बेशक, अपने देश में नागरिकों के लिए संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की लंबी सूची है। मगर ये कड़वी हकीकत है कि अधिकांश नागरिकों के लिए वे अधिकार ज्यादा मायने नहीं रखते। मसलन, जिन नागरिकों को उपयुक्त शिक्षा-दीक्षा और ऐसी परिस्थितियां प्राप्त नहीं हुईं, जिनसे वे राजकाज एवं सार्वजनिक मुद्दों पर कुछ कहने योग्य विचार विकसित कर पाएं, उनके लिए अभिव्यक्ति की आजादी महज ऐसा गहना है, जिसे वे कभी पहन नहीं पाते। फिर आसपास भयमुक्त वातावरण ना हो, तो उनके इस अधिकार के लिए खतरा सिर्फ सरकार के फरमानों से नहीं, बल्कि स्थानीय सामाजिक- आर्थिक ढांचे से भी पैदा होता है। जस्टिस कांत ने भी कहा कि भौगोलिक स्थितियों, इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी कमियों और आर्थिक बाधाओं के कारण बड़ी संख्या में लोग अदालत और उन संस्थाओं के पास नहीं पहुंच पाते, जिनका मकसद उनके अधिकारों की रक्षा है। सार यह कि अधिकारों का विमर्श तभी अपनी मंजिल तक पहुंचेगा, जब अधिकारों के उपभोग की परिस्थितियों को चर्चा में शामिल किया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता, क्योंकि अधिकारों के हनन की सारी बहस संभ्रांत वर्ग के दायरे में सिमटी रहती है। संभवतः यही कारण है कि नागरिक अधिकारों पर हमले और संविधान बचाओ जैसी बातें आम जन मानस को नहीं छू पातीं। जो तबके ऐसे अधिकारों से वंचित हैं, उनमें वोट की ताकत उन हकों की रक्षा करने का जज्बा गायब रहता है। उलटे नकदी ट्रांसफर की योजनाएं उन्हें लुभा लेती हैं, क्योंकि उनसे भले ही सीमित, लेकिन वास्तविक फायदा उन्हें मिलता है। अतः जस्टिस कांत की टिप्पणियों को उनकी सही भावना में देखा जाना चाहिए। ऐसा करना अधिकारों को उनके असल संदर्भ में देखना होगा।

मिनाब 168 : महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत

तनवीर जाफ़री

अमेरिका व इस्राईल द्वारा गत 28 फ़रवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली ख़ामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमलेको लेकर हो रही है वह है दक्षिणीईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फ़रवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनक़ाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज़ उठाने को मजबूर किया।

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मक़सद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ़ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ़, ईरानी विदेश मंत्री अरागची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # मिनाब 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके ख़ून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौक़ा था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज़ से बेनक़ाब किया था। # मिनाब 168 विमान केवल पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अरागची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाक़ात की।

अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का ख़ून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ़ तौर पर इसे ग़ैर ज़िम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की ज़िम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की भयानक ग़लती भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हज़ारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने हैंड्स ऑफ़ ईरान के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी ज़ोरदार मांग हुई।

बहरहाल, इस्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में युद्धापराध अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो युद्धापराध अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक़ युद्ध के दौरान अबूग़रेब जेल में क़ैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक़ में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफ़ग़ानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज़ पर इस्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व ग़ज़ा के इलाक़ों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है।

परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख़ पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस क़द्र गूँज रही हैं कि मानवीय हृदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है। इसी तरह के विरोध के चलते ट्रंप ने अपने कई अधिकारियों को बर्ख़ास्त कर दिया जबकि कई ने इस्तीफ़ा देकर अपनी इज़्ज़त बचने में ही अपनी भलाई समझी। कहना ग़लत नहीं होगा कि मासूमों की शहादत को याद दिलाने वाला प्रतीक मिनाब 168 पूरे विश्व में नरसंहार की इबारत लिखने वाली महाशक्ति को बेनक़ाब कर छोड़ेगा तथा इसके पतन का कारण भी बनेगा।

संघवाद की वापसी: दूसरा निर्णायक क्षण इतिहास का आईना

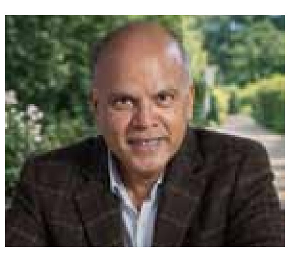

प्रो. पूर्णेन्दु रंजन

भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में कुछ वर्ष केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं होते, बल्कि वे व्यवस्थागत बदलाव के प्रतीक बनते हैं। 2026 के विधानसभा चुनाव परिणाम, आम आदमी पार्टी (AAP) के भीतर मची नाटकीय भगदड़, भाजपा का राज्यसभा में बढ़ता दबदबा और 2027 के आसन्न पंजाब चुनाव—ये सब मिलकर एक ऐसा परिदृश्य बना रहे हैं जो अनायास ही 1967 की याद दिलाता है। 1967 वह वर्ष था जब पहली बार कांग्रेस के एकछत्र राज में दरार पड़ी थी और क्षेत्रीय ताकतों का उदय हुआ था। आज हम फिर उसी तरह के एक 'दूसरे जलविभाजक क्षण' की ओर बढ़ रहे हैं।

'आंतरिक धुरी' (Internal Pivot) की नई रणनीति - इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच दो विपरीत धाराएं दिखाई दे रही हैं। जहाँ एक ओर AAP जैसे दल आंतरिक बिखराव और दलबदल का सामना कर रहे हैं, वहीं कुछ अनुभवी क्षेत्रीय दल खुद को बचाने के लिए 'आंतरिक धुरी' (Internal Pivot) का मॉडल अपना रहे हैं। बिहार में JDU का हालिया प्रयोग इसका सटीक उदाहरण है। यहाँ उत्तराधिकारी को सीधे सरकार के बड़े पदों पर बिठाने के बजाय, उसे पार्टी संगठन की 'मुख्य धुरी' बनाया जा रहा है। इस रणनीति का मकसद भविष्य के नेतृत्व को 'सत्ता विरोधी लहर' (Anti-incumbency) के सीधे प्रहार से बचाना और पार्टी के भीतर विभिन्न गुटों को एक साझा केंद्र से जोड़े रखना है। भाजपा के राज्यसभा में बढ़ते प्रभाव और राष्ट्रीय स्तर पर कानून-नीति के दबाव को देखते हुए यह मॉडल क्षेत्रीय दलों के लिए एक सुरक्षा कवच बनता जा रहा है।

पंजाबः विश्वास मत और अस्तित्व की परीक्षा - हाल ही में पंजाब विधानसभा में मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार ने विश्वास मत जीत लिया, बावजूद इसके कि AAP के सात राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हो गए। यह घटना केवल संख्या का खेल नहीं है, बल्कि उस सांगठनिक कमजोरी का संकेत है जिसकी परीक्षा 2027 के चुनावों में होगी। पंजाब हमेशा से क्षेत्रीय अस्मिता और राजनीति की प्रयोगशाला रहा है। किसानों के आंदोलन और कृषि संकट ने यहाँ की राजनीति को राष्ट्रीय विमर्श से अलग एक विशिष्ट धारा दी है। 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या क्षेत्रीय अस्मिता और सामाजिक आंदोलनों की शक्ति राष्ट्रीय दलों को चुनौती दे सकती है।

न्यायपालिका और संघवाद का नया समीकरण- सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले—चाहे वह चुनावी बॉन्ड्स पर पारदर्शिता का प्रश्न हो या राज्यपालों की शक्तियों पर अंकुश—संघीय ढांचे को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। यह वही संस्थागत हस्तक्षेप है जो 1967 के बाद पहली बार राज्यों को केंद्र के सामने अधिक मजबूती से खड़ा कर रहा है।

आर्थिक संघवाद और संसाधनों की राजनीति- जीएसटी परिषद में राज्यों की बढ़ती असहमति और वित्तीय हस्तांतरण पर विवाद यह दिखाते हैं कि आर्थिक संघवाद अब राजनीतिक संघवाद जितना ही महत्वपूर्ण हो गया है। क्षेत्रीय दल अपने आर्थिक अधिकारों को राष्ट्रीय दबाव के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं।

विपक्ष की रणनीति और सामाजिक विमर्श- कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल महंगाई, बेरोजगारी और श्रम संहिताओं को लेकर सरकार पर हमलावर हैं। राहुल गांधी ने हाल ही में एलपीजी कीमतों को "चुनावी बिल" करार दिया, जबकि कांग्रेस ने श्रम संहिता की समीक्षा और मनरेगा के पुनर्जीवन की मांग की है। यह वही आर्थिक विमर्श है जिसने 1967 में कांग्रेस के प्रभुत्व को चुनौती दी थी।

वैश्विक दबाव और स्थानीय राजनीति- आज की राजनीति केवल घरेलू मुद्दों तक सीमित नहीं है। तेल की कीमतें, जलवायु संकट और प्रवासी भारतीयों की राजनीति सीधे-सीधे राज्यों की नीतियों को प्रभावित कर रही हैं। पंजाब का कृषि संकट वैश्विक गेहूँ बाजार से जुड़ा है, और दक्षिण भारत की राजनीति आईटी उद्योग के वैश्विक उतार-चढ़ाव से प्रभावित होती है।

अस्थिरता में छिपा लोकतंत्र- अक्सर 'खंडित जनादेश' को अस्थिरता का संकेत माना जाता है, लेकिन 1967 का सबक यह है कि ऐसी स्थितियां लोकतंत्र को और अधिक समावेशी बनाती हैं। सत्ता का विकेंद्रीकरण, न्यायपालिका का हस्तक्षेप, आर्थिक संघवाद और सामाजिक आंदोलनों की शक्ति यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी एक विचारधारा पूरे तंत्र पर पूर्ण एकाधिकार न कर सके। 2026–27 का यह कालखंड यदि एक अधिक समावेशी व्यवस्था की ओर ले जाता है, तो यह भारतीय लोकतंत्र की अनुकूलन क्षमता का सबसे बड़ा प्रमाण होगा।

(लेखक- चंडीगढ़ स्थित एक सामाजिक इतिहासकार हैं।)

नफरत की आग कब बुझेगी ? अब 'कारपोरेट जिहाद

राम पुनियानी

हाल में महाराष्ट्र का नासिक शहर दो बार अखबारों की सुर्खियों में रहा। पहली बार अशोक खरात के मामले को लेकर, जो एक ढ़ोंगी बाबा था और महिलाओं, खासकर समाज के उच्च वर्ग की महिलाओं, का यौन शोषण करता था। उसने अपनी छवि एक चमत्कारी बाबा की बनाने के लिए कुछ नए तरीके अपनाए। वह लोगों को उनका अतीत, वर्तमान और भविष्य बताकर प्रभावित करता था। वह महिलाओं को ब्रेन वाश कर उन्हें अपना अनुयायी बनाता था और उन्हें अपना सब कुछ उसे समर्पित कर देने के लिए राजी कर अपनी शारीरिक भूख मिटाता था। उसने सांप और अन्य जंगली जानवर पाले हुए थे और वह इन जानवरों से महिलाओं को डराकर कर उन्हें अपनी बात मानने के लिए मजबूर करता था। अंधश्रद्धा के इसी क्रम में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई, धीरेन्द्र शास्त्री, जिन्हें बागेश्वर धाम बाबा के नाम से जाना जाता है, से मिलने गए। यहां यह बताना प्रासंगिक होगा कि गवई यह दावा करते हैं कि वे डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के अनुयायी हैं। अम्बेडकर केवल और केवल तार्किकता में विश्वास रखते थे। इस मामले को मीडिया ने थोड़ा-बहुत कव्हर किया और बजरंग दल और उसके जैसे अन्य संगठन चुप्पी साधे रहे क्योंकि यह एक हिन्दू बाबा द्वारा हिन्दू महिलाओं के दैहिक शोषण का मामला था मगर चूंकि इसमें कोई मुसलमान शामिल नहीं था। लेकिन इसके कुछ ही दिनों बाद नफरती तत्वों को इसी नासिक से नफरत की आग भड़काने के लिए पुलिस की एक रिपोर्ट के रूप में भरपूर ईंधन मिल गया। इस रपट में एक हिंदू लड़की ने दावा किया था कि एक मुस्लिम कर्मचारी उसका यौन शोषण कर रहा है। इस मुस्लिम कर्मचारी का इस लड़की से अफेयर चल रहा था और लड़की के मुताबिक उस मुस्लिम युवक ने उससे शादी करने का वादा किया था, किंतु बाद में वह मुकर गया। पुलिस को की गई इस शिकायत से पुलिस और हिन्दुत्ववादी तत्वों को सक्रिय होने का अवसर मिल गया और पुलिस की एक गोपनीय कार्यवाही शुरू हुई। पुलिस की जांच, जिसकी सराहना राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस तक ने की, के अनुसार टाटा कन्सलटेंसी सर्विसिस (टीसीएस) में धर्मपरिवर्तन कराने की एक योजनाबद्ध साजिश को अमल में लाया जा रहा था।

मेष राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से बड़ी खुशखबरी मिलेगी और आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में अधिक ध्यान देने की जरूरत है। आपको प्रोजेक्ट में अपने कलीग की मदद मिलेगी। आज आपकी किसी रिश्तेदार से फोन पर बात हो सकती है, आपको कुछ नया सुनने को मिलेगा। ऑफिस के दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनेगा। किसी बुजुर्ग महिला की सेवा का अवसर मिलेगा इसे आप सौभाग्य के रूप में समझे।

वृष राशिः आज आपका दिन शांतिपूर्ण बीतेगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप कुछ नया सीखेंगे। आपकी कड़ी मेहनत और कार्य करने के तरीके से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स कॉलेज में कुछ नई गतिविधियों में भाग लेंगे और पढ़ाई की तरफ रुझान बढ़ेगा। रोज की अपेक्षा आज व्यापार में बढ़िया मुनाफा होगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिलायेगा। पारिवारिक रिश्तों में गहराई और अपनापन महसूस हो सकता है। आज आपकी पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है।आज जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट जायेंगे। साझेदार की गतिविधियों पर ध्यान देंगे। आज रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग हैं। बिजनेस में आपको फायदा हो सकता है।

कर्क राशिः आज आपका दिन आपके लिए परिवार के लिए खुशियां लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। आज आपको नयी जानकारी मिलेगी यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी जिस व्यक्ति की आपने कभी मदद की थी वह आज आपके काम आएगा। आज अध्यात्मिक कामों में आपकी रुचि बढ़ेगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने लिए अच्छा मौका मिलेगा। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की सख्त जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर अमल करने के लिए आज का दिन अच्छा है। नई तकनीक के इस्तेमाल पर अपने सीनियर्स से विचार-विमर्श करेंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए लकी साबित होगा। असंभव सा लगने वाला काम भी आज पूरा हो जाएगा साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से ख़ुशी मिलेगी। मानसिक रूप से जिन लोगों के साथ परेशानी है, उसे दूर करने का उपाय मिलेगा। आज किसी से बात करते समय अपनी भाषा में मधुरता बनाये रखें।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शुभफलदायी रहने वाला है। आज जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटाने में आप बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। अपने स्वभाव में धैर्य और विनम्रता बनाये रखें। पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते है। किसी विशेष काम में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। आज जरूरी काम को लेकर उस विषय के जानकार व्यक्ति से विचार विमर्श करेंगे और योजना बनाएंगे। आपकी कार्य योजनाएं सफल होने के योग हैं।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज किसी फिल्म में गाने का मौका मिल सकता है। आज किसी सामाजिक कार्यशाला में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का मन बनाकर चलें तो आपको अच्छी जानकारी मिल सकती है जो आपके बहुत ही काम आएगी। आज कुछ पुरानी बातें आपको याद आ सकती हैं।आज आपकी आर्थिक स्थिति अछ्छी रहेगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिये फेवरेबल होने वाला है। आज आपको बड़ी उपलब्धि मिल सकती है जिसकी आपको बहुत दिनों से ख्वाहिश थी। आज किसी इम्पोर्टेन्ट विषय में अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करें। आज आप अपने सभी काम मेहनत, धैर्य और समझदारी से निपटा लेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज ऑफिस में कामकाज ज्यादा रहेगा। जिसकी वजह से आपको खुद के लिए समय निकल पाना मुश्किल होगा। लेकिन काम समय से पूरा होने से आपको ख़ुशी भी होगी। आज ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है। इसमें आपको सफलता मिलने के योग भी हैं। आपके लिए जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, आपकी व्यस्तता बढ़ सकती है।

घोर लापरवाही : जीवन की कीमत पर पर्यटन

मनोज कुमार अग्रवाल

इसे हादसा कहें या बदहाल और गैर जिम्मेदार भ्रष्ट व्यवस्था की हद दर्जे की लापरवाही जिसके चलते करीब पन्द्रह हंसती खेलती जिंदगी मौत के आगोश में समा गयीं और दर्जन भर परिवारों को कभी न भूलने वाला दुख दे गयीं। 30 अप्रेल गुरुवार को मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है.जबलपुर जिले के बरगी बांध क्रूज हादसे को तीन दिन से अधिक समय बीत चुका है. लेकिन अब भी कुछ लोग लापता हैं. उनके जिंदा मिलने की उम्मीद कम है, लेकिन अपनों की उम्मीद है कि टूटती नहीं. आंखें टकटकी लगाए उनका इंतजार देख रही हैं.

आपको बता दें जबलपुर मप्र के खास पर्यटन स्थल बरगी डैम में गुरुवार 30 अप्रेल की शाम पर्यटकों की खुशियां मातम में बदल गईं. डैम के खमरिया टापू के पास एक क्रूज अचानक आए तेज तूफान के कारण अनियंत्रित होकर पानी में डूब गया. हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 से 40 लोग सवार थे. बताया जा रहा है कि ये सभी लोग यहां घूमने के लिए निकले थे. अचानक हुए इस हादसे से मौके पर चीख पुकार मच गई.शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसे के समय क्रूज नर्मदा नदी के बैकवाटर में मौजूद था. इस बीच तभी अचानक मौसम बदला गया और तेज हवाओं के साथ तूफान आने लगा. ये तूफान इतना जबरदस्त था कि क्रूज अपना संतुलन खोने लगा और कुछ ही समय में पानी में पलट गया. जानकारी के अनुसार, पर्यटकों से भरा क्रूज अचानक नर्मदा में पलट गया. पानी से लबालब बांध में जब लोग डूबे तो हर किसी की आंखें सिर्फ अपनों को ढूंढ रही थीं. किसी ने आंखों के सामने पत्नी खो दी तो किसी ने मां और भाई. इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है. ये लोग किसी के मां-बाप, भाई, बहन थे. सोचिए उन लोगों पर क्या बीत रही होगी, पलक झपकते ही जिसके अपने आंखों से ओझल हो गए. उनके अपने डूबते रहे और वे बेबस होकर देखते रहे. चीख-पुकार और मदद की गुहार भी काम नहीं आई. जबलपुर क्रूज हादसे ने दिल्ली के एक परिवार की खुशियां उजाड़ दीं. पति, पत्नी, एक बेटा और एक बेटी पिकनिक मनाने क्रूज पर चढ़े. हादसे के दौरान पिता और बेटी किसी तरह सुरक्षित बच गए, लेकिन मां और बेटा क्रूज के भीतर ही फंस गए थे. आज सुबह मां का अपने बेटे को सीने से चिपकाए हुए शव मिला. मानो आखिरी पल तक उसे बचाने की कोशिश कर रही हो. यह दृश्य देख वहां मौजूद हर शख्स की आंखें भर आईं.

जबलपुर के सिविल लाइन इलाके के रहने वाले सैयद रियाज हुसैन की पत्नी, नाती और समधन लापता हैं. वह परिवार के साथ क्रूज की सवारी का आनंद लेने गए थे. वो कहां जानते थे कि डैम में मौत दस्तक दे रही है. सैयद तो बच गए, लेकिन उनके परिजन अभी भी लापता हैं. वह बेबस और लाचार हैं और किसी चमत्कार की उम्मीद लगाए बैठे हैं. एक छोटी सी बच्ची मां-पिता और भाई के साथ कुछ देर पहले जो हंसी के ठहाके लगा रही थी उसकी आंखों में सिबाय दर्द के कुछ दिखाई नहीं दे रहा. बच्ची बुरी तरह डरी, सहमी और घबराई हुई है. पापा तो मिल गए लेकिन मम्मी, भाई और नाना का कुछ अता-पता नहीं है. वहीं नानी की डूबने से मौत हो गई है. पल भर में उसकी खुशियां मातम में बदल गईं. जबलपुर क्रूज हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया.

घटना की जानकारी मिलते ही बरगी थाना पुलिस और प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम को रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया है. टीम लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटी और पानी के भीतर सर्च ऑपरेशन चलाया गया .

सवाल यह है कि यह हादसा अनगिनत लापरवाही और अव्यवस्था का ईशारा करता है जब मौसम विभाग की पचास किमी प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी तूफान आने की चेतावनी जारी थी तब क्रूज का नदी में संचालन क्यों किया गया? जानकारी के अनुसार क्रूज का संचालन मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग करता है बताया गया है कि इस बीस साल पुरानी क्रूज में वैध तौर पर तीस पर्यटक लिस्टेड थे लेकिन कुछ लोग स्टाफ की कृपा पर भी सवार थे जो लिस्टेड नही थे। बचाव दल 28 लोगों को बचाने का दावा कर रहा है जबकि नौ शव निकाले जा चुके हैं इस तरह 37 सवारियों की पुष्टि हो जाती है। इसके अलावा नियमानुसार सबको लाइफ जेकेट पहनना अनिवार्य था लेकिन तूफान आने पर अफरा-तफरी मचने पर लाइफ जेकेट दी गयी उन्हें पाने के लिए सभी सवार पर्यटकों के क्रूज पर एक तरफ आने से संतुलन बिगड़ गया और क्रूज एक ओर झुकते ही नदी में समा गया।

जाहिर है कि यह क्रूज नियमों की घोर अनदेखी कर मनमानी ढंग से बिना अनुभवी व अल्पप्रशिक्षित परिचालन टीम के भरोसे नर्मदा की छाती पर संचालित किए जा रहे थे। इस सबके लिए खुद सरकार अपनी जिम्मेदारी से नही बच सकती है सरकार चाहे उत्तराखंड की हो यूपी की या मध्यप्रदेश की सब जगह ग्रीष्म शीत अवकाश अथवा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दरकिनार किया गया है सरकार का रवैया सिर्फ पर्यटकों को प्रचार के बूते पर आकर्षित कर राजस्व और स्थानीय रोजगार बढाने का है लेकिन श्रद्धालुओं पर्यटकों के जीवन की सुरक्षा कौन करेगा? इसकी चिंता सरकार या सरकारी अमले को कतई नहीं है। व्यवस्था में जुड़े सरकारी अधिकारी कर्मचारी अपनी कमीशन खोरी और किसी न किसी तरह जेब भरने में जुट जाते हैं। मौसम की चेतावनी को दरकिनार कर पर्यटकों को जान की कीमत पर धार्मिक या मौज मस्ती का पर्यटन कराना कौन सी नैतिकता है? उत्तराखंड जैसे संवेदनशील प्राकृतिक वातावरण वाले प्रदेश में चारधाम यात्रा के लिए क्षमता से अधिक पर्यटकों को विभिन्न माध्यमों से लुभाना कहां तक उचित है? यूपी में बीते साल कुम्भ स्नान के लिए ऐसा प्रचार किया गया कि श्रद्धालुओं का इतना सैलाब आ गया कि व्यवस्था लडखडा गयी भगदड़ में सैकड़ों जान गयीं।

इसी तरह उत्तराखंड सरकार भलीभांति जानती है कि 2013 की केदारनाथ या 2024 की चमोली रैणी गाँव ग्लेशियर फटने और धराली में बादल फटने से जनहानि जैसी आपदा में बचाव की कोई समुचित व्यवस्था उसके पास मौजूद नहीं है तब भी लोगों को मीठे मीठे सपने दिखा कर चारधाम पर्यटन के नाम पर उनके जीवन से खिलवाड़ का सिलसिला जारी है। हर सरकार दलील देती है कि पर्यटन ही स्थानीय लोगों की अर्थव्यवस्था का आधार है। ऐसे हालात में सुधार की बड़ी जरूरत है कम से कम नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए ताकि मानवीय भूल से होने वाली दुर्घटनाओं को तो रोका जा सके।

आपको बता दें बरगी डैम हादसे में अब तक नौ लोगों के शव मिलने की पुष्टि हो चुकी है. वहीं आधिकारिक जानकारी के अनुसार अब भी करीब छह लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है. मौके पर मौजूद स्थानीय लोग भी राहत कार्यों में पुलिस की मदद कर रहे हैं.

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

वैभव को योग्यता के आधार पर आंकना चाहिए, न कि उम्र से, अभी बच्चा है, पर बल्लेबाजी कमाल की : शिखर धवन

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने राजस्थान रॉयल्स के युवा और तूफानी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के भारत के लिए पदार्पण की संभावनाओं पर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। धवन ने कहा है कि भले ही वैभव की उम्र मात्र 15 साल है, लेकिन जब कोई खिलाड़ी उच्च स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा हो तो उम्र कोई बाधा नहीं रहती। उन्होंने वैभव के निडर रवैये की जमकर सराहना की, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों के खिलाफ भी बेखौफ होकर खेलते हैं। धवन ने इस बात पर जोर दिया कि इतनी कम उम्र में ऐसा आत्मविश्वास बहुत कम खिलाड़ियों में देखने को मिलता है, जो वैभव के खेल में साफ झलकता है। हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में बात करते हुए शिखर धवन ने कहा, अगर वैभव सूर्यवंशी सीनियर लेवल पर लाजवाब प्रदर्शन कर रहा है तो उसे उसकी योग्यता के आधार पर आंकना चाहिए, न कि उसकी उम्र के आधार पर। हां, वह अभी बच्चा है, लेकिन जिस तरह से वह जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह जैसे शीर्ष गेंदबाजों की गेंदों पर इतने बड़े छक्के मारता है, वह वाकई कमाल का है। बहुत से बड़े खिलाड़ी इतनी कम उम्र में वह हासिल नहीं कर पाए जो उसने किया है। जाहिर है, उसका समय आएगा। यह आना ही है। आईपीएल 2025 के बाद से लगातार युवा क्रिकेट और फिर आईपीएल में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से धूम मचा रहे वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में सबसे पहले 400 रनों का आंकड़ा छूने वाले बल्लेबाज बने हैं। उनका स्ट्राइक रेट 238.10 का है, जो किसी भी लीग में असाधारण है। वह अब तक 37 छक्के जड़ चुके हैं, जबकि उनके चौकों की संख्या छक्कों से कम है, जो उनकी आक्रामक खेल शैली को दर्शाता है। इस शानदार प्रदर्शन के बाद से ही हर कोई इस बात की वकालत कर रहा है कि वैभव को जल्द से जल्द भारत की सीनियर टीम में शामिल किया जाना चाहिए। हालांकि, शिखर धवन का मानना है कि इस युवा प्रतिभा के लिए अभी भारतीय टॉप ऑर्डर में जगह बनाना एक बड़ी चुनौती है।

धवन ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम के स्थापित टॉप ऑर्डर में सेंध लगाना वैभव सूर्यवंशी के लिए फिलहाल मुश्किल है। भारत ने हाल ही में 2026 टी20 विश्व कप जीता है और संजू सैमसन व अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ी भी शानदार फॉर्म में हैं, ऐसे में इस युवा खिलाड़ी को आसानी से मौका नहीं मिलेगा। वनडे क्रिकेट में कप्तान शुभमन गिल और रोहित शर्मा ओपनर के तौर पर अपनी जगह मजबूत कर चुके हैं। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल भी अपनी जगह पक्की कर चुके हैं।

रुतुराज ने कार्तिक, कंबोज और नूर की जमकर प्रशंसा की

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत पर खुशी जतायी है। रुतुराज में मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए युवा कार्तिक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। रुतुराज ने कहा कि कार्तिक लंबे छक्के लगाने वाला खिलाड़ी है। इससे अलावा उन्होंने तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज और स्पिनर नर अहमद की कसी हुई गेंदबाजी की भी प्रशंसा की है। अंशुल ने 3 जबकि नूर ने 2 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में प्रमुख भूमिका निभाई। इस मैच में जीत के साथ ही सीएसके की प्लेऑफ के लिए संभावनाएं बढ़ी हैं। इस मैच में सीएसके के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई को 159 रनों पर ही रोक दिया। सीएसके ने कप्तान रुतुराज और कार्तिक के अर्धशतकों की सहायता से 11 गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 159 रन बनाये। सीएसके की ओर से कम्बोज ने तीन विकेट जबकि नूर ने दो विकेट लिए। इन गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से मुंबई की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम शुरुआत अच्छी नहीं रही। । सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन 11 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद उर्विल पटेल ने 12 गेंदों में तेजी से 24 रन बनाए। दो विकेट जल्दी गिरने के बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने शानदार साझेदारी करते हुए स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। रुतुराज ने अपना लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया, जबकि कार्तिक शर्मा ने आईपीएल में अपना पहला अर्धशतक बनाकर टीम की जीत तय कर दी। मैच के बाद कप्तान रुतुराज ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जतायी। उन्होंने कहा, "हमने शुरुआत झटकों के बाद लय हासिल की।" उन्होंने अंशुल कम्बोज की तारीफ करते हुए कहा कि वह चीजों को सरल रखता है और प्रक्रिया पर टिका रहता है, उसका दिमाग एक बल्लेबाज की तरह सोचता है।

सीन एबॉट ने बयां किया फिलिप ह्यूज़ की मौत का दर्द

एजेंसी, नई दिल्ली

सीन एबॉट अपने दोस्त फिलिप ह्यूज़ की दर्दनाक मौत को याद कर एक बार फिर भावुक हो गए। यह घटना कई बार उन्हें भावुक कर देती हैं। क्रिकेट इतिहास के सबसे डरावने और रूह कंपा देने वाले पलों में ऑस्ट्रेलिया के उभरते स्टार फिलिप ह्यूज़ की दर्दनाक मौत को हमेशा याद किया जाता है, जो 25 नवंबर 2014 को सीन एबॉट के एक बाउंसर के कारण हुई थी। सिडनी में एक घरेलू मैच के दौरान यह घातक घटना घटी, जब एबॉट की गेंद ह्यूज़ की गर्दन के पास लगी, जिससे उनकी धमनी को चोट पहुंची और दो दिन बाद सेंट विंसेंट अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। इस त्रासदी ने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना का सबसे गहरा असर गेंदबाज़ सीन एबॉट पर पड़ा था। वे कई महीनों तक ह्यूज़ की मौत के सदमे में रहे, और उस पल की यादें उनके मन में गहराई तक बस गईं। एबॉट ने उस भयानक पल को याद करते हुए लिखा था कि उन्हें लगा था कि फिलिप ने शॉट खेलने में थोड़ी जल्दी कर दी थी। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है फिलिप ने शॉट खेलने में थोड़ी जल्दी कर दी थी। अगर बल्लेबाज़ शॉट में जल्दी करता है तो लगता है कि गेंद उतनी तेज़ नहीं थी जितनी उसने सोची थी। मुझे याद नहीं कि गेंद तेज़ थी या धीमी। शायद उस दिन पिच थोड़ी धीमी थी। एससीजी की पिच ऐसी ही होती है।" एबॉट ने अपने दर्द को व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होंने उस दिन क्या महसूस किया: "जब फिलिप को गेंद लगी, मैंने देखा कि वे लड़खड़ाने लगे और मैं पिच के दूसरे छोर पर दौड़ा। अपने बाएं हाथ से उनके सिर के दाहिने हिस्से को पकड़ा।

पाकिस्तान कप्तान ने एशिया कप हैंडशेक विवाद पर खोला राज

एजेंसी, नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान सलमान अली आगा ने पिछले साल एशिया कप के दौरान भारतीय टीम के साथ हुए हैंडशेक विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उनकी टीम मैच खत्म होने के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम तक हाथ मिलाने गई थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने ऐसा नहीं किया। सलमान ने याद दिलाया कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच कुल तीन भिड़ंत हुई थीं, और तीनों ही मौकों पर भारतीय टीम ने हाथ मिलाने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट से पहले हुए फोटोशूट और प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने निश्चित रूप से हाथ मिलाए थे। पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले गए उस एशिया कप में, सलमान अली आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम को भारत से लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय खेमे ने यह नीति पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के सम्मान में और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने के उद्देश्य से अपनाई थी।

प्रीति जिंटा का अटूट भरोसा ने बदली केएल राहुल की किस्मत?

एजेंसी, नई दिल्ली

एक अटूट विश्वास पंजाब किंग्स की सह-मालिक प्रीति जिंटा ने साल 2018 में युवा बल्लेबाज केएल राहुल पर दिखाया था, जिसने उनके आईपीएल करियर को पूरी तरह से नया मोड़ दे दिया। उसके बाद उन्होंने पीछे मुडकर नहीं देखा। एक समय 'टेस्ट स्पेशलिस्ट' का टैग झेल रहे राहुल के लिए यह दांव किसी संजीवनी से कम नहीं था। केएल राहुल का आईपीएल सफर 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ 10 लाख रुपये में शुरू हुआ था। इसके बाद वह सनराइजर्स हैदराबाद और फिर से आरसीबी के लिए खेले, लेकिन शुरुआती चार सीजन (2013-2016) में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और वह 200 रन का आंकड़ा भी मुश्किल से छू पाते थे। साल 2017 में कंधे की गंभीर चोट ने उन्हें पूरे आईपीएल सीजन से बाहर कर दिया, जिससे लगने लगा कि उनका आईपीएल करियर अब समाप्त हो जाएगा। उनकी टेस्ट क्रिकेट में शानदार तकनीक और शतकों ने उन्हें 'टेस्ट स्पेशलिस्ट' का टैग दिया था, जबकि टी20 में वह अपनी छाप छोड़ने में नाकामयाब रहे थे।

बिजनेस

ऋण वसूली तंत्र को सुदृढ़ बनाने को डीआरएटी अध्यक्षों, पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का आयोजन

एजेंसी, नई दिल्ली

वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने शनिवार को ऋण वसूली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए डीआरएटी अध्यक्षों और डीआरटी पीठासीन अधिकारियों का एक सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य लंबित मामलों को कम करना और मामलों के निपटान में तेजी लाना था।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने यहां के विज्ञान भवन में ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरणों (डीआरएटी) के अध्यक्षों और ऋण वसूली न्यायाधिकरणों (डीआरटी) के पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन को डीएफएस सचिव एम. नागराजू ने प्रतिभागियों को संबोधित किया, जिनमें डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारी, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के प्रतिनिधि और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन शामिल थे। मंत्रालय के मुताबिक चर्चाओं का मुख्य केंद्र लंबित मामलों को कम करना और मामलों के निपटान में तेजी लाना था। लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर नए सिरे से जोर दिए जाने के कारण, डीआरटी के मासिक निपटान दरों में उत्साहजनक वृद्धि देखी गई है। न्यायाधिकरणों से आग्रह किया गया कि वे अच्छा प्रदर्शन करने वाले डीआरटी द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का अनुकरण करें। मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय सेवा विभाग नीतिगत संवाद, सुधार और कामकाज में सुधार के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के तौर पर ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरणों के अध्यक्षों और ऋण वसूली न्यायाधिकरणों के पीठासीन अधिकारियों की नियमित बैठकें आयोजित करता रहता है। इन प्रयासों ने विचारों के रचनात्मक आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है, जिनमें से कई न्यायाधिकरणों के कामकाज में ठोस सुधारों में परिणत हुए हैं, जिससे न्यायाधिकरणों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना भी संभव हुआ है और उन्हें सफल मॉडलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई को किया अधिसूचित

एजेंसी, नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को स्वचालित मार्ग के तहत बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अधिसूचित कर दिया है, जो पिछले 74 फीसदी की सीमा को प्रतिस्थापित करती है।

वित्त मंत्रालय की ओर से 2 मई 2026 को स्वचालित मार्ग के तहत बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई की अधिसूचना जारी की गई है, जो पिछले 74 फीसदी की सीमा को प्रतिस्थापित करती है। यह नियम सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) विधेयक-2025 के तहत आया है, जिसका उद्देश्य विदेशी पूंजी, तकनीक और बेहतर उत्पाद लाना है। हालांकि एलआईसी के लिए यह सीमा 20 फीसदी ही रहेगी।

अधिसूचना के मुताबिक विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण लिखत) (द्वितीय संशोधन) नियम-2026 के अनुसार बीमा कंपनियों और ब्रोकरों सहित बिचौलियों में स्वचालित मार्ग के तहत 100 फीसदी विदेशी निवेश की अनुमति होगी। वहीं, सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के लिए ये सीमा 20 फीसदी तय की गई है। उल्लेखनीय है कि संसद ने दिसंबर 2025 में सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) विधेयक-2025 को पारित किया था। इसने बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को पहले के 74 फीसदी से बढ़ाकर स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत करने का रास्ता साफ किया है। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह विधेयक कानून बन गया था। इसके बाद फरवरी 2026 में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई को अधिसूचित किया था।

सरकार ने रोहित जैन को आरबीआई का डिप्टी गवर्नर किया नियुक्त

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने रोहित जैन को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति तीन साल की अवधि के लिए की गई है। जैन वर्तमान डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल आज समाप्त हो रहा है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की ओर से शनिवार को जारी एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। एसीसी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि रोहित जैन को आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के पद पर तीन साल के लिए नियुक्त किया गया है।

उनका कार्यकाल पद संभालने की तारीख यानी 3 मई, 2026 से शुरू होगा यानी अगले आदेश तक लागू रहेगा, जो भी पहले हो। रोहित जैन इस पद पर टी रबी शंकर का स्थान लेंगे, जिनका विस्तारित कार्यकाल आज को समाप्त हो गया। जैन इससे पहले दिसंबर 2020 से आरबीआई में कार्यकारी निदेशक (ईडी) के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। कार्यकारी निदेशक के तौर पर जैन ने सुपरविजन विभाग (रिस्क, एनालिटिक्स और वल्नरेबिलिटी असेसमेंट) की जिम्मेदारी संभाली है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पिछले महीने डिप्टी गवर्नर पद के लिए चार कार्यकारी निदेशकों का इंटरव्यू लिया था, जिसमें से रोहित जैन के नाम पर भी मुहर लगी है। जैन के पास रिजर्व बैंक में करीब तीन दशकों का लंबा अनुभव है।

एक्सिस बैंक की पहली डिजिटल लॉकर-केंद्रित शाखा की शुरुआत

एजेंसी, नई दिल्ली

एक्सिस बैंक ने शनिवार को यहां अपनी पहली डिजिटल लॉकर-केंद्रित शाखा खोली। बैंक के इस नई सुविधा का मकसद ऑटोमेटेड लॉकर सेवाओं के जरिए बेहतर सुरक्षा और ग्राहक अनुभव देना है। एक्सिस बैंक ने शनिवार को एक बयान में कहा कि ये शाखा सुरक्षित बैंकिंग को नए सिरे से परिभाषित करने की दिशा में एक कदम है। इसमें उन्नत स्वचालन, उच्च स्तरीय सुरक्षा और अत्याधुनिक लॉकर सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने पर जोर दिया गया है। साथ ही बैंक खासकर शहरी इलाकों में सेफ डिपॉजिट लॉकरों की बढ़ती मांग को पूरा कर रहा है। इस नई ब्रांच में डिजिटल और ऑटोमेटेड लॉकर सिस्टम को दिया गया है, जिससे ग्राहकों को ज्यादा सुरक्षित और आसान एक्सेस मिलेगा। इसमें मल्टी-लेयर सिक्योरिटी, सेंसर बेस्ड प्रोटेक्शन और सेंट्रली मॉनिटर वॉल्ट जैसी सुविधाएं शामिल हैं, जिसकी खास बात यह है कि ग्राहक 24×7 अपने लॉकर तक पहुंच बना सकते हैं। इस ब्रांच का उद्घाटन एम नागराजू ने किया। इस दौरान बैंक के एमडी अमिताभ चौधरी और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुनीश शारदा भी मौजूद रहे। एक्सिस बैंक ने एक्स पोस्ट पर लिखा, अगली पीढ़ी के रोबोटिक स्मार्ट लॉकर के साथ बैंकिंग सुरक्षा के भविष्य का अनुभव करें, जहां डिजाइन और सटीक इंजीनियरिंग का मेल होता है।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड ने अपना 63वां स्थापना दिवस मनाया

एजेंसी, नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्था, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने शनिवार को अपना 63वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर आईआईएफटी ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों और इस संस्थान में 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण आईआईएफटी की नई वेबसाइट का लॉन्च था, जिसका उद्देश्य छात्रों, फैकल्टी, शोधकर्ताओं और हितधारकों के लिए उपयोगकर्ता अनुभव, पहुंच और डिजिटल जुड़ाव को बेहतर बनाना है।

इस अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक संदेश के माध्यम से इस अवसर पर अपनी बधाई दी। केंद्रीय मंत्री ने भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और प्रबंधन परिदृश्य को आकार देने में संस्थान की निरंतर उत्कृष्टता की सराहना की, और वैश्विक व्यापार में नीति, अनुसंधान और क्षमता निर्माण में योगदान देने वाली एक प्रमुख संस्था के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित किया।

पीयूष गोयल ने कहा कि व्यापार शिक्षा में उत्कृष्टता प्रदान करने की नींव पर स्थापित, यह संस्थान युवा मस्तिष्कों को बदलते व्यापार परिदृश्य के लिए तैयार करने और उन्हें वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका को सुदृढ़ करने की दिशा में अपना योगदान बढ़ाने में सक्षम बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

नाना पाटेकर 76 की उम्र में भी युवा एक्टर्स को भी दे रहे फिटनेस में मात

ना नाना पाटेकर, भारतीय सिनेमा के एक ऐसे दिग्गज अभिनेता हैं, जो सिर्फ अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए ही नहीं, बल्कि अब अपनी अद्भुत फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। 76 साल की उम्र में भी वे अपने किसी भी युवा समकालीन को कड़ी टक्कर दे सकते हैं, और इसका हालिया सबूत सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखने को मिला। प्रसिद्ध फोटोग्राफ़र और प्रोड्यूसर अतुल कासबेकर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें नाना पाटेकर लगातार 15 ट्राइसेप डिप्स करते हुए नजर आ रहे हैं और वह भी बिना किसी थकान या पसीना बहाए। अतुल द्वारा फोटो-शेयरिंग ऐप पर शेयर की गई इस क्लिप में नाना पाटेकर को टैन शॉर्ट्स और सफेद बनियान पहने देखा जा सकता है, जिसके साथ उन्होंने अपने गले में एक गमछा भी लपेटा हुआ है, जो उनके देसी अंदाज को दर्शाता है। उन्हें बिना किसी रुकावट के, पूरी सहजता के साथ ट्राइसेप डिप्स करते देखा गया, और तो और, इस कसरत के आखिर में उनके चेहरे पर एक संतुष्टि भरी मुस्कान भी थी। इस उम्र में भी फिटनेस के बड़े लक्ष्य तय करने के लिए नाना की तारीफ करते हुए, अतुल ने कैप्शन में लिखा, आ-हो नाना साहेब!!! आपने तो मेरे फिटनेस लक्ष्य ही बदल दिए!!! ये हैं नाना पाटेकर जी। उनकी उम्र 76 साल है। और ये उन्हें बार्स पर ट्राइसेप डिप्स करते हुए दिखाया गया है। फिल्म इंडस्ट्री के कई सदस्यों ने नाना के इस जज्बे की तारीफ की। शिल्पा शेट्टी, विनीत कुमार सिंह और राहुल देव जैसे कलाकारों ने कमेंट सेक्शन में आग और लाल दिल वाले इमोजी शेयर करके अपनी प्रशंसा जाहिर की, जिससे पता चलता है कि नाना की फिटनेस सिर्फ प्रशंसकों के बीच ही नहीं, बल्कि उद्योग में भी चर्चा का विषय बन गई है। कुछ इंस्टाग्राम यूजर्स ने नाना के मशहूर किरदार, वेलकम फ्रैंचाइजी के उदय शेट्टी का भी जिक्र किया। उन्होंने कंट्रोल उदय कंट्रोल और उदय भाई अभी भी फिट दिख रहे हैं जैसे मजेदार कमेंट्स किए, जो नाना के लोकप्रिय ऑन-स्क्रीन किरदारों और उनके वास्तविक जीवन की फिटनेस के बीच एक दिलचस्प संबंध स्थापित करते हैं। अब अगर नाना की आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह 2025 में आने वाली हाउसफुल 5 का हिस्सा थे, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और अन्य कलाकार भी थे। इसके अलावा, उन्हें विशाल भारद्वाज की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ओरोमियो में एक पुलिसवाले के किरदार में भी देखा गया था, जिसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में थे। उन्होंने अनिल कपूर और राधिका मदान स्टारर फिल्म सूबेदार में भी एक कैमियो रोल किया था। नाना पाटेकर की यह ऊर्जा और काम के प्रति समर्पण वाकई प्रेरणादायक है।

फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश: रुक्मिणी वसंत

हाल ही में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत ने ब्लॉकबस्टर फिल्म कांतारा: ए लेजेंड चैप्टर 1 के भव्य पैमाने और इसकी अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने अपने करियर में पहले कभी ऐसा कुछ अनुभव नहीं किया। उन्होंने कहा, "इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। रुक्मिणी ने आगे कहा कि वह निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस नई दुनिया को देखकर बहुत खुश और रोमांचित हैं। अभिनेत्री ने बताया, "मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।" यह टिप्पणी फिल्म की मौलिकता और उसके बड़े पैमाने पर निर्माण की ओर इशारा करती है, जिससे यह एक असाधारण सिनेमाई अनुभव होने की उम्मीद बढ़ जाती है। रुक्मिणी ने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बन रही है, जो गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बनाने के लिए जानी जाती हैं। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कई स्थापित और प्रतिभाशाली कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे फिल्म की कास्टिंग भी काफी दमदार लग रही है। टॉक्सिक न केवल हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी, बल्कि तमिल, मलयालम समेत कई अन्य भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में भी इसे डब किया जाएगा। यह व्यापक रिलीज रणनीति यह सुनिश्चित करेगी कि फिल्म पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सके, जिससे इसकी पहुंच और प्रभाव और भी बढ़ जाएगा। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं, जो उनके करियर के लिए एक और बड़ा प्रोजेक्ट है। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

आमिर ने कयामत से कयामत तक के खुद चिपकाए थे पोस्टर

क कम ही लोग जानते हैं कि बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने अपनी पहली फिल्म कयामत से कयामत तक की सफलता का जश्न मनाने के लिए खुद मुंबई की बसों और दीवारों पर फिल्म के पोस्टर चिपकाए थे। उस समय आमिर एक आम लड़के की तरह दिखते थे, लेकिन जैसे ही लोगों ने उन्हें स्क्रीन पर देखा, लड़कियां उनकी दीवानी हो गईं। आमिर खान ने चॉकलेट बॉय की इमेज बनाई, जिसने बाद में शाहरुख और सलमान के लिए रास्ता बनाया। साल 1988 एक ऐसा समय था, जब बॉलीवुड में एक्शन से भरपूर और खूनी फिल्मों का बोलबाला था। लोग थिएटर में एंग्री यंग मैन कैरेक्टर देखने के आदी हो गए थे। ऐसे में नासिर हुसैन के बैनर तले एक नए डायरेक्टर मंसूर खान ने एक रिस्क लिया। उन्होंने विलियम शेक्सपियर की रोमियो एंड जूलियट को इंडियन सेटिंग में अडैप्ट किया और दो नए चेहरों (आमिर खान और जूही चावला) को मौका दिया। जब 29 अप्रैल 1988 को कयामत से कयामत तक स्क्रीन पर आई, तो इसने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी लहर पैदा की जो दशकों तक चली।

आनंद-मिलिंद का म्यूजिक और उदित नारायण की आवाज इस फिल्म की बैकबोन थी। पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा सिर्फ एक गाना नहीं था, यह उस जमाने के हर कॉलेज स्टूडेंट और युवा की पहचान बन गया था। इस एक गाने ने उदित नारायण को घर-घर में मशहूर कर दिया। इसके अलावा, अकेले हैं तो क्या गम है और ऐ मेरे हमसफर जैसे गानों ने फिल्म को एक प्यारी म्यूजिकल लव स्टोरी बना दिया। सिर्फ रुपए 1.2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने उस समय 5 करोड़ से ज्यादा की कमाई की, जो आज के हिसाब से सैकड़ों करोड़ के बराबर है। फिल्म ने बेस्ट पॉपुलर फिल्म प्रोवाइडिंग होलसम एंटरटेनमेंट का नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीता। इसके अलावा, इसने फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में आठ कैटेगरी में अवॉर्ड जीते। यह पहली डेब्यू फिल्म थी, जिसने इतने बड़े पैमाने पर क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों को खुश किया। 1988 से 2026 तक, आमिर खान ने बार-बार खुद को बदला। उन्होंने कभी क्वांटिटी पर नहीं, बल्कि क्वालिटी पर ध्यान दिया। लगान में भुवन के रोल में ऑस्कर तक पहुंचने से लेकर दंगल में महावीर सिंह फोगट के रोल में रुपए 2000 करोड़ कमाने तक, आमिर खान हर दशक में नई ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं। उनका स्टारडम कम नहीं हुआ है, क्योंकि उन्होंने समय के साथ अपने एक्टिंग स्टाइल और स्क्रिप्ट की पसंद को बदला है। कयामत से कयामत तक सिर्फ आमिर खान की पहली फिल्म नहीं थी, बल्कि उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म थी। इसने डायरेक्टर्स को सिखाया कि एक अच्छी लव स्टोरी .बड़े स्टार्स के बिना भी सुपरहिट हो सकती है।

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हैं अनन्या पांडे

अ अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। युवा पीढ़ी की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक अनन्या, अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर काफी स्पष्ट और मुखर हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पेशेवर दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में ले जाना चाहती हैं और किन उद्देश्यों के साथ काम कर रही हैं। अनन्या ने अपनी बातों को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। यह उनके असीमित उत्साह और सीखने की ललक को दर्शाता है। अनन्या ने बताया कि उनके पास भविष्य की योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब अपने करियर में एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना है, जो केवल तात्कालिक सफलता ही नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें और एक स्थायी प्रभाव छोड़ें। उन्होंने दृढ़ता से कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। यह कथन उनकी परिपक्व सोच और कला के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है, जहां वह क्षणिक प्रसिद्धि से परे जाकर रचनात्मक विरासत बनाने पर जोर दे रही हैं। अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों और अभिनय के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है। उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। यह उनकी कलात्मक यात्रा में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जहां वह अपनी पसंद को अधिक सोच-समझकर चुन रही हैं। अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म चांद मेरा दिल में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। फिल्म की कहानी में प्यार, बलिदान और भावनाओं का एक गहरा मिश्रण देखने को मिलेगा। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म चांद मेरा दिल का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है, जो इसकी भव्यता और गुणवत्ता का संकेत है। फिल्म में अनन्या पांडे चांदनी और लक्ष्य आरव के रूप में नजर आएंगे। चांद मेरा दिल 22 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, और अनन्या के प्रशंसक उन्हें इस नए और गहरे किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।

ये हम आ गए हैं कहां लोकप्रिय गाना हटा दिया था वीर-जारा से

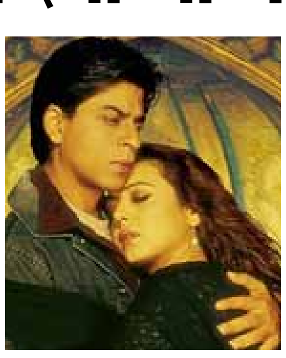

ब बहुत कम लोग यह जानते हैं कि दिवंगत यश चोपड़ा की फिल्म वीर-जारा का एक बेहद लोकप्रिय गाना थिएटर रिलीज से हटा दिया गया था। दिवंगत फिल्म निर्माता यश चोपड़ा का एक पुराना वीडियो फिर से सोशल मीडिया पर चर्चा में है, जिसमें उन्होंने इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे की वजह बताई थी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस पुराने वीडियो में यश चोपड़ा मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान करण जौहर ने फिल्म के उस गाने का जिक्र किया, जिसे दर्शकों ने बाद में बेहद पसंद किया था। उन्होंने यश चोपड़ा से पूछा, ये हम आ गए हैं कहां जैसा खूबसूरत गाना फिल्म के फाइनल प्रोडक्ट में क्यों नहीं रखा गया? इस सवाल का जवाब देते हुए यश चोपड़ा ने बड़ी ईमानदारी और पेशेवर प्रतिबद्धता के साथ बताया, मैंने इस गाने की पूरी शूटिंग की थी और शुरुआत में इसे फिल्म में उसी जगह रखा गया था, जहां इसकी जरूरत थी। लेकिन जब मैंने फिल्म को पूरी तरह देखा तो मुझे महसूस हुआ कि यह गाना कहानी की रफ्तार को प्रभावित कर रहा है। यश चोपड़ा ने यह भी स्वीकार किया कि एक निर्देशक के तौर पर वह इस गाने से भावनात्मक रूप से बेहद जुड़े हुए थे, क्योंकि उन्होंने इसे बहुत प्यार से फिल्माया था, लेकिन एक निर्माता के तौर पर उन्हें फिल्म की कहानी और उसके समग्र प्रभाव को प्राथमिकता देनी पड़ी। यश चोपड़ा ने आगे खुलासा किया कि इस कठिन निर्णय में उनके बेटे और जाने-माने फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा ने भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, मेरे बेटे आदित्य चोपड़ा ने भी मुझे सलाह दी थी कि अगर यह गाना फिल्म में रखा गया तो दर्शकों का ध्यान कहानी से हट सकता है और फिल्म का प्रवाह बाधित हो सकता है। अपने बेटे की इस सलाह को सुनने के बाद, यश चोपड़ा ने भारी मन से इस गाने को फिल्म से हटाने का फैसला लिया। यह फैसला एक महान फिल्म निर्माता की कला और व्यावसायिक समझ के बीच संतुलन साधने की क्षमता को दर्शाता है।

हालांकि, बाद में इस खूबसूरत गाने को फिल्म के डीवीडी वर्जन में शामिल कर दिया गया, ताकि दर्शक इसे देख सकें और इसकी सुंदरता का आनंद ले सकें। वीर-जारा में शाहरुख खान और प्रीति जिंटा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं, जिनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब सराहा। फिल्म की कहानी भारत और पाकिस्तान के बीच की राजनीतिक दूरियों के बावजूद पनपे एक निस्वार्थ और अमर प्रेम को दर्शाती है, जिसने इसे आज भी एक क्लासिक बनाए रखा है। बता दें कि हिंदी सिनेमा के इतिहास में कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रहतीं, बल्कि दर्शकों की भावनाओं और स्मृतियों का एक अविस्मरणीय हिस्सा बन जाती हैं।

फातिमा सना शेख के लिए दुनिया का सबसे बेहतरीन ट्रैवल पार्टनर है बिजली

अ अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ-साथ घूमने-फिरने का भी काफी शौक रखती हैं। जब भी उन्हें फिल्मों की शूटिंग से फुर्सत मिलती है, तो वह अपना बैग पैक करके किसी नई जगह की सैर पर निकल जाती हैं।

हाल ही में फातिमा ने अपने वेकेशन की कुछ बेहद दिलचस्प तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं, जिनसे पता चला कि इस बार वह अकेले नहीं बल्कि एक खास साथी के साथ यात्रा पर निकली थीं। इन तस्वीरों में फातिमा के साथ उनका प्यारा पालतू जानवर, बिजली भी नजर आ रहा है। फातिमा ने इस पोस्ट के जरिए अपनी पूरी ट्रिप को बिजली को समर्पित किया, जो उनके और उनके पेट के बीच के गहरे प्यार और जुड़ाव को दर्शाता है। तस्वीरों में फातिमा अपनी दोस्त बिजली के साथ बोट राइड का आनंद लेती और प्रकृति के सुंदर नजारों के बीच सुकून के पल बिताती दिख रही हैं। उनकी मुस्कान और बिजली के साथ का सहज अंदाज यह बता रहा है कि वह इस यात्रा को कितना एन्जॉय कर रही थीं। फातिमा ने न केवल प्राकृतिक खूबसूरती को कैमरे में कैद किया, बल्कि वहां के स्वादिष्ट व्यंजनों की झलक भी प्रशंसकों के साथ साझा की, जिसमें वह पूरी तरह रिलैक्स और खुश नजर आ रही थीं। इस पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने मानसिक शांति और प्रकृति व अपनों के साथ की अहमियत पर जोर दिया। फातिमा ने लिखा, मुझे खुश करना बहुत आसान है। बस मुझे या तो समंदर के किनारे ले जाओ या फिर पहाड़ों पर, मुझे इसके अलावा और कुछ नहीं चाहिए और यकीन मानिए, बिजली से बेहतर ट्रेवल पार्टनर मुझे कोई और मिल ही नहीं सकता। यह कैप्शन उनकी सादगी और जीवन के छोटे-छोटे पलों में खुशी ढूंढने की प्रवृत्ति को दर्शाता है।

दंगल फेम अभिनेत्री फातिमा सना शेख जल्द ही वेब सीरीज तीन कौवे में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे दमदार एक्शन सीन करती दिखेंगी, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक नया अनुभव होगा। इस सीरीज में बॉबी देओल, रोनित रॉय, फातिमा सना शेख, पवैल गुलाटी, ईशा तलवार, चांदनी बैन्ज और फैसल मलिक जैसे कई दमदार कलाकार हैं, जो इसे एक मल्टी-स्टारर और रोमांचक प्रोजेक्ट बनाते हैं। तीन कौवे का निर्माण रॉय कपूर फिल्म्स द्वारा किया गया है और इसका निर्देशन प्रियंका घोष ने किया है। सीरीज की कहानी एक पूर्व सीक्रेट एजेंट, सिद्धांत गुप्ता, के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे मृत मान लिया गया था, लेकिन वह सात साल बाद उस गद्दार को खोजने के लिए वापस आता है जिसने उसे फंसाया था। यह एक सस्पेंस और एक्शन से भरपूर थ्रिलर होगी। मार्च 2026 में प्राइम वीडियो के एक इवेंट में इसका पहला लुक जारी किया गया था, जिससे दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक सीरीज की रिलीज डेट की जानकारी नहीं दी है, लेकिन फातिमा के प्रशंसक उन्हें इस नए अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

46 years after going missing, soldier presumed dead by AFT; widow to get pension, arrears from 1993

New Delhi, Agency : About 46 years after a soldier went missing with no clues about his whereabouts and was later declared a deserter, the Armed Forces Tribunal (AFT) has ruled that he should be presumed dead and his widow would be entitled to pension and arrears from 1993, when she first approached the authorities for benefits.

The soldier, Om Prakash Pradeshi from Himachal Pradesh, was enrolled in the Corps of Military Police (CMP) in September 1969. When he went missing in November 1980, and in December 1983, after the stipulated three-year period, the Army declared him a deserter and dismissed him from service. Consequently, he or his next of kin were not granted pension.

46 years after going missing, soldier presumed dead by AFT; widow to get pension, arrears from 1993

The soldier, Om Prakash Pradeshi from Himachal Pradesh, was enrolled in the Corps of Military Police (CMP) in September 1969

About 46 years after a soldier went missing with no clues about his whereabouts and was later declared a deserter, the Armed Forces Tribunal (AFT) has ruled that he should be presumed dead and his widow would be entitled to pension and arrears from 1993, when she first approached the authorities for benefits.

The soldier, Om Prakash Pradeshi from Himachal Pradesh, was enrolled in the Corps of Military Police (CMP) in September 1969. When he went missing in November 1980, and in December 1983, after the stipulated three-year period, the Army declared him a deserter and dismissed him from service. Consequently, he or his next of kin were not granted pension.

The Tribunal's Chandigarh Bench comprising Justice Umesh Chandra Sharma and Lt Gen Ranbir Singh held that there is no evidence that the Army or, on their directions, the civil authorities ever tried to search the individual as to whether he is alive or not and whether he was seen by anyone just before his disappearance. There is also no evidence that the individual is alive and is living or working somewhere else or he voluntarily abandoned his service.

India's island territories provide military deterrence against expansionist China

New Delhi, Agency: Even though the tri-service Andamans and Nicobar Command was set-up by the Vajpayee government quarter of century ago, India's military doctrine has been land centric with primacy to the Indian Army with other two services unfortunately being seen as force multipliers.

While India's main adversary China changed its military doctrine from land to sea-centric in early 2000s, New Delhi started seriously looking at its maritime security post-2014 with PLA Navy surveillance ships, ballistic missile trackers, warships and submarines making forays into Indian Ocean Region (IOR) with logistics facilities in Cambodia, Sri Lanka, Maldives, Iran and the eastern seaboard of Africa. Today, an average of six-to-seven PLA ships are in the IOR each month with aircraft carrier based task forces entering the region within this decade.

Given that the PLA is making one ship every seven days, India has no options but to develop long range capabilities in its island territories of Lakshadweep and Andamans and Nicobar Island. It is only then that India can enforce sea-denial, sea-access deterrence as well as build leverages in the IOR against any potential rival. Apart from maritime security,

India's island territories hold huge economic potential for the country with world class transshipment hubs on the eastern as well as western seaboard of the country. It was India's first Chief of Defence Staff (CDS) Gen Bipin Rawat who along with national security planners, who envisioned turning Campbell Bay in Great Nicobar into a transshipment hub as well as a military base for India in order to provide first strike capability against any rival as well as protect the hinterland away from home.

4 cops die during op to dispose of Maoist ammo

New Delhi, Agency: Four police personnel were killed in an explosion while trying to dispose of a gunpowder dump of Maoists in Chhattisgarh's Kanker district on Saturday. This was the first explosion incident linked to Naxalites in the state since it was declared free from armed Maoism on March 31. It was also the first instance this year in which security personnel engaged in anti-Naxal operations lost their lives. The police earlier said an improvised explosive device (IED) went off while being neutralised, but later a senior official stated that it was a gunpowder dump, hidden by Maoists when they were active in the area. The tragic incident took place at 11.30 am in a forest area of Aadnar village under the Chhotebethiya police station limits, near the Narayanpur district border, when a joint team of security personnel was conducting a demining operation to locate and defuse IEDs planted earlier by Naxalites, Inspector General of Police (Bastar Range) Sundarraj Pattilingam said.

'Free press under attack': Congress slams Centre over India's 157 rank in press freedom index

New Delhi, Agency: The Congress on Sunday launched a sharp attack over the state of press freedom in India, citing the country's rank of 157 in the World Press Freedom Index 2026, which places it in the "very serious" category. On World Press Freedom Day, the Congress said that a free press is the voice of democracy, but alleged that it is under attack. In a post on X, it expressed solidarity with journalists and voices that "speak truth to power" and strive to protect democratic values. "A free press is the voice of democracy, but today that voice is under attack. India ranks 157 in the World Press Freedom Index 2026, falling into the "very serious" category.

Indian firms mobilise against US push to curb offshore call centres

New Delhi, Agency: Indian IT majors and industry bodies are growing increasingly worried about a proposed rule by the US Federal Communications Commission (FCC) that would restrict the use of offshore call centres by certain American companies - a move that could reshape one of the most significant sources of outsourcing revenue for companies that have made India the world's back office for American consumer businesses.

The FCC proposed the rule on March 26, releasing it the following day, with a public comment period opening after its publication in the Federal Register. Comments are due by May 26, with reply comments due by June 22. The rule, framed by the FCC as a consumer protection and national security measure, floats three broad interventions: capping the share of customer service calls that US providers may route to foreign call centres; requiring workers at those centres to demonstrate proficiency in spoken and written American Standard English; and mandating that providers inform customers at the start of each call whether it is being handled outside the US - and offer to transfer it to a US-based representative on request. The FCC has floated 30% as one benchmark for the call volume cap, but has left the figure open for comment; the proposed rule text carries a placeholder rather than a fixed percentage. The agency has also proposed that calls involving sensitive information - passwords, social security numbers, bank account or credit card details - be handled exclusively by US-based representatives, regardless of any cap applied to general call volumes.

Just Like That: Are gyms creating health or causing harm?

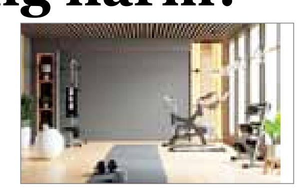

New Delhi, Agency: I have a serviceable gym at home, with basic machines, equipment, and weights. But more importantly, I have Jai Rathee, a good trainer who is able to discern the difference between required exercise and undesirable excess.

To have this trained balance is necessary, especially when, across India's metropolitan skylines and increasingly in smaller towns too-glittering gyms rise where once there were modest parks,

Priyanka Chopra stepped out last night for a special advance screening of the new season of Citadel at AGBO Studios in Los Angeles, California. Stanley Tucci, who stars in the recently released The Devil Wears Prada 2, and Ashleigh Cummings were also present at the occasion.

'I'm 41, get me married': Prayagraj woman seeks police help, claims family trying to avoid expenses

New Delhi, Agency: A 41-year-old woman in Sarai Inayat area of Prayagraj, Uttar Pradesh, has appealed to the police for help, levelling serious allegations against her family. She alleged that her family is deliberately preventing her from getting married and has been harassing her for years.

According to media reports, Madhuri Patel, a resident of Manapur village, said in her police complaint that she wants to get married, but her brother and sister-in-law reject every proposal. She claims the family is doing this to avoid wedding expenses. The woman also alleged that her brother had transferred the family land to his name, but was not taking any responsibility for her marriage. She named her father, mother, brother, sister-in-law and sister in the complaint.

Tamil Nadu: Over a lakh security personnel to guard 62 counting centres

New Delhi, Agency: As votes for the Tamil Nadu assembly elections will be counted on Monday, the Election Commission (EC) said on Saturday that a three-tier security system will be in place at counting centres, with around 100,000 security personnel deployed for election security duties. In Chennai alone, police said nearly 20,000 security staff have been deployed.

Chief electoral officer (CEO) Archana Patnaik, said that the first tier security perimeter extending 100 metres around each counting centre has been established. "Entry within this zone will be strictly restricted to authorised personnel. Adequate police personnel will be deployed at entry points," she added.

The second tier, comprising the entry gates of the counting premises will be secured by the State Armed Police Personnel, who would regulate access and prevent unauthorised movement within the premises. "Use of mobile phones and other communication devices will be permitted only in designated areas," she said.

The third-tier, the innermost security layer in the counting halls and the electronic voting machine (EVM) strong rooms will be managed by the Central Armed Police Force (CAPF) personnel. The EC, as a first-time initiative introduced a QR code-based photo identity card system through its mobile application ECINET to prevent any unauthorised entry into the counting centres.

"The counting of votes recorded in all 75,064 polling stations and postal ballots received will be conducted at 62 designated counting centres," she said. Counting will start at 8am with the postal ballots, followed by EVM counting in 234 halls at 8.30am, and 3,324 counting tables will be used.

"A total of 10,545 personnel have been deployed for counting duty, supported by 4,624 micro-observers to ensure transparency and integrity of the process," she said. Round-wise results of all assembly constituencies will be announced by the concerned returning officer (RO), using the public address system at the respective centre, and the same will be reflected in the ECINET app.

The Dravida Munnetra Kazhagam (DMK) which leads the Secular Progressive Alliance comprising Congress and Left parties, is seeking to retain power, while the AIADMK-led National Democratic Alliance is aiming to return to power with its allies, including the Bharatiya Janata Party (BJP), Pattali Makkal Katchi (PMK), and Amma Makkal Munnetra Kazhagam (AMMK) among others. Actor-politician Vijay 's Tamilaga Vettri Kazhagam has made its poll debut in this election.

A committee blames former TTD executive officer AV Dharma Reddy for major procurement lapses, allowing adulterated ghee in sacred laddu prasadam.